चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम......दैनिक भास्कर......

दिनांक 12.9.2020 पृष्ठ संख्या......2......कॉलम......6-7......

एचएयू में नवनियुक्त वैज्ञानिकों के लिए प्रशिक्षण

भास्कर न्यूज | हिसार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में नवनियुक्त अनुसंधान, शिक्षण व विस्तार के शिक्षकों एव वैज्ञानिकों के लिए प्रशिक्षण शुरू किया गया। प्रशिक्षण का आयोजन नवनियुक्त वैज्ञानिकों को विवि के ढांचे व गतिविधियों की जानकारी देने के लिए किया जा रहा है।

प्रशिक्षणार्थियों को मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय के निदेशक डॉ. एमएस सिद्धपुरिया ने कहा कि यह प्रशिक्षण कार्यक्रम शिक्षक समुदाय के लिए प्रासंगिक है और उम्मीद है कि सभी प्रतिभागी इस कोर्स से अधिक से अधिक लाभ उठाएंगे। उन्होंने प्रतिभागियों को निदेशालय के संगठनात्मक सेट-अप से परिचित कराया और इसके चार प्रकोष्ठों में से प्रत्येक के कार्यों के बारे में जानकारी दी। मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय की संयुक्त निदेशक व कार्यक्रम की संयोजक डॉ. मंजू मेहता ने बताया कि आरंभिक प्रशिक्षण कार्यक्रम में विवि के 21 नवनियुक्त शिक्षक शामिल हैं। इसके माध्यम से सभी प्रतिभागियों को विश्वविद्यालय की सभी गतिविधियों, नियमों, कानून, एक्ट एंड स्टेट्यूट्स, विश्वविद्यालय प्रशासन के संगठनात्मक ढांचे, महाविद्यालयों के संगठनात्मक ढांचे व गतिविधियों के बारे में जानकारी दी जाएगी। विवि में स्थापित विभिन्न कॉलेजों सहित अन्य संस्थानों में प्रशिक्षणार्थियों को प्रतिदिन किसी एक संस्थान का भ्रमण करवाया जाता है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम......पंजाब केसरी......

दिनांक 12.9.2020......पृष्ठ संख्या......3......कॉलम......3-5......

शिक्षक वर्ग के लिए प्रासंगिक है आरंभिक प्रशिक्षण : डॉ. सिद्धपुरिया

हकृवि में नवनियुक्त वैज्ञानिकों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

हिसार, 11 सितम्बर (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में नवनियुक्त अनुसंधान, शिक्षण व विस्तार के शिक्षकों एवं वैज्ञानिकों के लिए आरंभिक प्रशिक्षण शुरू किया गया। इसका आयोजन नवनियुक्त वैज्ञानिकों को विश्वविद्यालय के ढांचे व गतिविधियों की जानकारी देने को लेकर किया जा रहा है।

प्रशिक्षणार्थियों को संबोधित करते हुए मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय के निदेशक डॉ. एम.एस. सिद्धपुरिया ने कहा कि यह प्रशिक्षण कार्यक्रम शिक्षक समुदाय के लिए बहुत ही प्रासंगिक है और उम्मीद है कि सभी प्रतिभागी इस कोर्स से अधिक से अधिक लाभ उठाएंगे।

मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय की संयुक्त निदेशक व कार्यक्रम की संयोजक डॉ. मंजू मेहता ने बताया कि इस आरंभिक प्रशिक्षण कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के 21 नवनियुक्त शिक्षक शामिल हैं। इस प्रशिक्षण के माध्यम से सभी प्रतिभागियों को विश्वविद्यालय की सभी गतिविधियों, नियमों, कानून, एक्ट एंड स्टेट्यूट्स, विश्वविद्यालय प्रशासन के संगठनात्मक ढांचे, महाविद्यालयों के संगठनात्मक ढांचे व गतिविधियों के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी जाएगी।

प्रशिक्षणार्थियों को संबोधित करते डॉ. एम.एस. सिद्धपुरिया एवं उपस्थित प्रतिभागी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....अमर उजाला.....

दिनांक 12.9.2020.....पृष्ठ संख्या.....4.....कॉलम.....3-4.....

शिक्षक वर्ग के लिए प्रासंगिक है आरंभिक प्रशिक्षण : डॉ. सिद्धपुरिया

अमर उजाला ब्यूरो

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) में नवनियुक्त अनुसंधान, शिक्षण व विस्तार के शिक्षकों एवं वैज्ञानिकों के लिए आरंभिक प्रशिक्षण शुरू किया गया। इस दौरान मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय के निदेशक डॉ. एमएस सिद्धपुरिया ने कहा कि यह प्रशिक्षण कार्यक्रम शिक्षक समुदाय के लिए बहुत ही प्रासंगिक है और उम्मीद है कि सभी प्रतिभागी इस कोर्स से अधिक से अधिक लाभ उठाएंगे।

उन्होंने प्रतिभागियों को निदेशालय के संगठनात्मक ढांचे से परिचित कराया और इसके चार प्रकोष्ठों में से प्रत्येक के कार्यों के बारे में जानकारी दी। कार्यक्रम की संयोजक डॉ. मंजू मेहता ने बताया कि इस आरंभिक प्रशिक्षण कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के 21 नवनियुक्त शिक्षक शामिल हैं। इस प्रशिक्षण के माध्यम से सभी प्रतिभागियों को विश्वविद्यालय की सभी गतिविधियों, नियमों, कानून, एक्ट एंड स्टेटस, विश्वविद्यालय प्रशासन के संगठनात्मक ढांचे, महाविद्यालयों के संगठनात्मक ढांचे व गतिविधियों के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी जाएगी। विवि के एसवीसी श्याम सुंदर शर्मा ने विवि के एक्ट एंड स्टेटस व यात्रा भत्ता नियमों के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के नियमों व कायदे कानूनों के बारे में प्रत्येक कर्मचारी को जानकारी होनी चाहिए, जो पूरे सेवाकाल में काम आती है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....दैनिक जागरण.....

दिनांक 12.9.2020....पृष्ठ संख्या.....3.....कॉलम.....8.....

शिक्षक वर्ग के लिए प्रासंगिक है प्रशिक्षण

जासं, हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में नवनियुक्त अनुसंधान, शिक्षण व विस्तार के शिक्षकों एवं विज्ञानियों के लिए शुक्रवार से आरंभिक प्रशिक्षण शुरू हुआ। इसका आयोजन नवनियुक्त विज्ञानियों को विश्वविद्यालय के ढांचे व गतिविधियों की जानकारी देने को लेकर किया जा रहा है।

मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय के निदेशक डा. एमएस सिद्धपुरिया ने कहा कि यह प्रशिक्षण कार्यक्रम शिक्षक समुदाय के लिए बहुत ही प्रासंगिक है। उम्मीद है कि सभी प्रतिभागी इस कोर्स से अधिक से अधिक लाभ उठाएंगे। उन्होंने प्रतिभागियों को निदेशालय के संगठनात्मक सेटअप से परिचित कराया और इसके चार प्रकोष्ठों में से प्रत्येक के कार्यों के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होंने सभी प्रतिभागियों से सफलतापूर्वक, पूरी लगन से इस रिफ्रेशर कोर्स को पूरा करने का आह्वान किया। मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय की संयुक्त निदेशक व कार्यक्रम की संयोजक डा. मंजू मेहता ने बताया कि इस आरंभिक प्रशिक्षण कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के 21 नवनियुक्त शिक्षक शामिल हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम....दैनिक भास्कर....

दिनांक 12.9.2020 पृष्ठ संख्या....2.... कॉलम....3-7....

एचएयू में पढ़ने वाली तंजानिया की छात्रा जोसेफिन जॉन के शोध में हुआ खुलासा

चनसूर से बनाए लड्डू, बिस्किट, मठ्ठी में प्रोटीन वसा और खनिज लवण की मात्रा भी अधिक

महबूब अली| हिसार

तिलहन फसल गार्डन क्रैस सीड्स यानि चनसूर सेहत के लिए फायदेमंद है। चनसूर से बनाए लड्डू, सेव, मफिन, बिस्कुट, मठ्ठी में प्रोटीन, वसा, रेशा, खनिज लवण और एंटीऑक्सीडेंट्स सामान्य पदार्थों से अधिक है।

एचएयू के गृह विज्ञान महाविद्यालय के खाद्य एवं पोषण विभाग में गार्डन क्रैस सीड्स पर एमएससी की छात्रा तंजानिया की रहने वाली जोसेफिन जॉन ने डॉ. वर्षा रानी की देखरेख में शोध किया तो यह खुलासा हुआ। शोध कार्य को संपन्न करने पर एचएयू के कुलपति प्रो. समर सिंह और डीन पीजीएस डॉ. आशा क्वात्रा ने भी रिसर्च करने वाली टीम की सराहना की है। गृह विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठात्रा डॉ. बिमला ढांडा और खाद्य एवं पोषण विभाग की अध्यक्षा डॉ. संगीता चहल सिंधु ने बताया कि रिसर्च में पाया गया है कि गार्डन क्रैस सीड्स की यह उत्तम किस्म प्रोटीन, वसा और रेशे के साथ-साथ खनिज लवणों का भी भंडार है। एचएयू में शिक्षा ग्रहण करने वाली विदेशी छात्रा जोसेफिर जॉन ने रिसर्च के दौरान पाया कि यह फसल पानी में भिगोने पर श्रेष्म एक पकार का जैल बना लेता है, जो खाने में चिपचिपा व स्वादरहित हो जाता है व कारणवश अक्सर उपेक्षित रह जाता है। क्योंकि यह पोषण से भरपूर सेहतमंद व सस्ता विकल्प है। इसलिए इसके बेहतर प्रयोग के प्रयास इस शोध में किए गए।

तिलहन फसल पर रिसर्च करने वाली गृह विज्ञान महाविद्यालय के खाद्य एवं पोषण विभाग की विदेशी छात्रा, अध्यक्षा डॉ. संगीता चहल सिंधु व अन्य।

खाद्य पदार्थों पर चल रही रिसर्च

गृह विज्ञान विभाग में खाद्य पदार्थों को लेकर कई रिसर्च चल रही है। विभाग के प्रोफेसर और अन्य स्टाफ का प्रयास सराहनीय है।

-**प्रोफेसर समर सिंह**, कुलपति, एचएयू।

रिसर्च के दौरान ही तैयार किए लड्डू और कटलेट

छात्रा जोसेफिन जॉन ने बताया कि रिसर्च के दौरान उसने सीड्स को गर्म कढ़ाही में मंद आंच पर थोड़ा भूनने के बाद लगभग 5 मिनट तक 150 डिग्री सेंटीग्रेट पर लगातार हिलाते हुए भूना व ठंडा होने तक इसको ऐसे ही या पाउडर बनाकर खाद्य पदार्थों के मूल्य संवर्धन में उपयोग किया गया। इसके बाद गार्डन क्रेस युक्त पोषण से भरपूर लड्डू, सेव, मफिन, बिस्कुट, कटलेट, मठ्ठी बनाई व उनका पोषण संबंधी विश्लेषण किया। पाया कि सभी भोज्य पदार्थों का प्रोटीन, वसा, रेशा, खनिज लवण व एंटीआक्सीडेंटस सामान्य पदार्थों से अधिक है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम........दैनिक भास्कर........
दिनांक ..12.9.2020.... पृष्ठ संख्या.......4........कॉलम........3-5......

एचएयू में 543 ने दी प्रवेश परीक्षा कोरोना के कारण कम आए स्टूडेंट्स

स्नातकोत्तर व पीएचडी में प्रवेश परीक्षा का अंतिम चरण 16 सितंबर को

भास्कर न्यूज | हिसार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय प्रशासन ने शनिवार को बेसिक साइंस की पीएचडी में दाखिले के लिए प्रवेश परीक्षा का तीसरा चरण आयोजित किया। प्रवेश परीक्षा में 543 परीक्षार्थी शामिल हुए, जबकि 337 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से परीक्षाओं को चार चरणों में आयोजित किया जाना है, जिसका तीसरा चरण 12 सितंबर को आयोजित किया गया।

जानकारी देते हुए विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. बी.आर. कंबोज ने बताया कि स्नातकोत्तर कार्यक्रमों में प्रवेश के लिए परीक्षा का आयोजन कोरोना महामारी के चलते केंद्र व राज्य सरकार द्वारा जारी हिदायतों का पालन करते हुए किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि सभी परीक्षा केंद्रों को परीक्षा से पहले सेनेटाइज कराया गया था और सामाजिक दूरी व मास्क का भी विशेष ध्यान रखा गया है। परीक्षा सुबह 10 बजकर 30 मिनट से दोपहर 12 बजकर 30 मिनट तक आयोजित की गई।

परीक्षाओं पर पड़ रहा कोरोना का असर, विद्यार्थियों की संख्या रही कम: परीक्षा नियंत्रक डॉ. एस.के. पाहुजा ने बताया कि कोरोना महामारी के चलते इसका सीधा असर परीक्षार्थियों की संख्या पर भी पड़ रहा है। इन परीक्षाओं के लिए कुल 3448 ने विद्यार्थियों ने ऑनलाइन आवेदन किया था, जिनमें स्नातकोत्तर व पी.एच.डी. के कोर्स शामिल हैं। परीक्षा के तीसरे चरण में बेसिक साइंस की पी.एच.डी. के लिए आयोजित प्रवेश परीक्षा में 880 उम्मीदवारों को शामिल होना था, जबकि 543 उम्मीदवार ही शामिल हो पाए। केंद्र व राज्य सरकार की जारी हिदायतों को ध्यान में रखते हुए इन परीक्षाओं को आयोजित करवाने के लिए चार परीक्षा केंद्र बनाए गए थे, जिनमें कृषि महाविद्यालय, कृषि अभियांत्रिकी एवं तकनीकी महाविद्यालय, इंदिरा चक्रवर्ती गृह विज्ञान महाविद्यालय और मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय शामिल हैं। इन चार केंद्रों पर 41 कमरे जिनमें हॉल भी शामिल हैं, निर्धारित किए गए थे ताकि सामाजिक दूरी व सेनेटाइजेशन की पूरी तरह से पालना की जा सके।

एचएयू में परीक्षा केंद्र पर निरीक्षण करने पहुंचे वीसी व स्टाफ सदस्य।

कुलपति ने परीक्षा केंद्रों का लिया जायजा

विश्वविलय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह व कुलसचिव डॉ. बी.आर. कंबोज सहित अन्य प्रशासनिक अधिकारियों ने परीक्षा केंद्रों का दौरा करते हुए चल रही परीक्षाओं का जायजा लिया और ड्यूटी कर्मचारियों को शांतिपूर्वक परीक्षा करवाने की अपील की। स्नातकोत्तर अधिष्ठाता प्रोफेसर आशा क्वात्रा ने बताया कि स्नातकोत्तर व पीएचडी की परीक्षाओं का अंतिम चरण 16 सितम्बर को होगा।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम........हरि भूमि........

दिनांक 13.9.2020 पृष्ठ संख्या 9 कॉलम 4-8

पीएचडी में दाखिले के लिए 543 परीक्षार्थियों ने दी प्रवेश परीक्षा

337 छात्रों ने नहीं दी हकृवि की प्रवेश परीक्षा

- स्नातकोत्तर व पीएचडी प्रोग्रामों में दाखिले के लिए प्रवेश परीक्षा का अंतिम चरण 16 को

हरिभूमि न्यूज ⏩ हिसार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय प्रशासन ने शनिवार को बेसिक साइंस की पी.एच.डी. में दाखिले के लिए प्रवेश परीक्षा का तीसरा चरण आयोजित किया। प्रवेश परीक्षा में 543 परीक्षार्थी शामिल हुए, जबकि 337 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से परीक्षाओं को चार चरणों में आयोजित किया जाना है, जिसका तीसरा चरण 12 सितंबर को आयोजित किया गया। मिली जानकारी के अनुसार बताया जा रहा है कि विश्वविलय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह व कुलसचिव डॉ. बी.आर. कंबोज सहित अन्य प्रशासनिक अधिकारियों ने परीक्षा केंद्रों का दौरा करते हुए चल रही परीक्षाओं का जायजा लिया और ड्यूटी कर्मचारियों को शांतिपूर्वक परीक्षा करवाने की अपील की। वहीं उधर, विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. बी.आर. कंबोज ने बताया कि स्नातकोत्तर कार्यक्रमों में प्रवेश के लिए परीक्षा का आयोजन कोरोना महामारी के चलते केंद्र व राज्य सरकार द्वारा जारी हिदायतों का पालन करते हुए किया जा रहा है।

हिसार। प्रवेश परीक्षा के दौरान परीक्षा केंद्रों का जायजा लेते विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह। फोटो:हरिभूमि

परीक्षाओं पर पड़ रहा कोरोना का असर

परीक्षा नियंत्रक डॉ. एस.के. पाहुजा ने बताया कि कोरोना महामारी के चलते इसका सीधा असर परीक्षार्थियों की संख्या पर भी पड़ रहा है। इन परीक्षाओं के लिए कुल 3448 ने विद्यार्थियों ने ऑनलाइन आवेदन किया था, जिनमें स्नातकोत्तर व पी.एच.डी. के कोर्स शामिल हैं। परीक्षा के तीसरे चरण में बेसिक साइंस की पी.एच.डी. के लिए आयोजित प्रवेश परीक्षा में 880 उम्मीदवारों को शामिल होना था, जबकि 543 उम्मीदवार ही शामिल हो पाए। केंद्र व राज्य सरकार की जारी हिदायतों को ध्यान में रखते हुए इन परीक्षाओं को आयोजित करवाने के लिए चार परीक्षा केंद्र बनाए गए थे, जिनमें कृषि महाविद्यालय, कृषि अभियांत्रिकी एवं तकनीकी महाविद्यालय, इंदिरा चक्रवर्ती गृह विज्ञान महाविद्यालय और मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय शामिल हैं। इन चार केंद्रों पर 41 कमरे जिनमें हॉल भी शामिल हैं, निर्धारित किए गए थे ताकि सामाजिक दूरी व सेनेटाइजेशन की पूरी तरह से पालना की जा सके।

तीन चरणों में हुई परीक्षा संपन्न

स्नातकोत्तर अधिष्ठाता प्रोफेसर आशा क्वात्रा ने बताया कि विश्वविद्यालय की ओर से जारी परीक्षा की तिथियों अनुसार 6 सितम्बर, 9 सितम्बर व 12 सितम्बर को तीन चरणों में परीक्षाएं संपन्न हो चुकी हैं। स्नातकोत्तर व पी.एच.डी. की परीक्षाओं का अंतिम चरण 16 सितम्बर को होगा।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....दैनिक जागरण.....

दिनांक 13.9.2020 पृष्ठ संख्या.....2.....कॉलम.....2-6.....

शिक्षा | हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में स्नातकोत्तर और पीएचडी प्रोग्रामों में दाखिले के लिए प्रवेश परीक्षा का अंतिम चरण 16 को

प्रवेश परीक्षा में 543 विद्यार्थी शामिल, 337 अनुपस्थित

जागरण संवाददाता, हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) प्रशासन ने शनिवार को बेसिक साइंस की पीएचडी में दाखिले के लिए प्रवेश परीक्षा का तीसरा चरण आयोजित किया।

इसमें 543 परीक्षार्थी शामिल हुए, जबकि 337 अनुपस्थित रहे। विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से परीक्षाओं को चार चरणों में आयोजित किया जाना है, जिसका तीसरा चरण 12 सितंबर को आयोजित किया गया। परीक्षा सुबह 10 बजकर 30 मिनट से दोपहर 12 बजकर 30 मिनट तक आयोजित की गई।

इन परीक्षाओं के लिए कुल 3448 ने विद्यार्थियों ने ऑनलाइन आवेदन किया था, जिनमें स्नातकोत्तर व पीएचडी के कोर्स शामिल हैं। परीक्षा के तीसरे चरण में बेसिक साइंस की पीएचडी के लिए आयोजित प्रवेश परीक्षा में 880 विद्यार्थियों को शामिल होना था, इसमें 543 ने ही परीक्षा दी।

स्नातकोत्तर में प्रवेश परीक्षा के दौरान कमरे का जायजा लेते चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह । • पीआरओ

शारीरिक दूरी, सैनिटाइजेशन व मास्क का विशेष ध्यान: परीक्षा में विद्यार्थियों को सैनिटाइज करने के बाद ही अंदर जाने दिया गया। साथ ही जिन्होंने मास्क नहीं लगा रखा था, उन्हें इसे लगाने के लिए कहा गया। शारीरिक दूरी का ध्यान रखते हुए परीक्षा केंद्र के बाहर भीड़ एकत्रित नहीं होने दी गई।

केंद्र के अंदर पेन व एडमिट कार्ड के अलावा अन्य किसी प्रकार की धातु आदि वस्तुओं को ले जाने की मनाही थी। कुलपति प्रो. समर सिंह व कुलसचिव डा. बीआर कंबोज सहित अन्य प्रशासनिक अधिकारियों ने परीक्षा केंद्रों का दौरा किया।

परीक्षाओं का अंतिम चरण 16 को: स्नातकोत्तर अधिष्ठाता प्रोफेसर आशा क्वात्रा ने बताया कि विश्वविद्यालय की ओर से जारी परीक्षा की तिथियों अनुसार 6, 9 व 12 सितंबर तक तीन चरणों में परीक्षाएं संपन्न हो चुकी हैं। स्नातकोत्तर व पीएचडी की परीक्षाओं का अंतिम चरण 16 सितंबर को होगा।

पोर्टल में आई गड़बड़ी, अधिकतर समय बंद

जासं, हिसार: कॉलेजों में दाखिले को लेकर शनिवार को छात्रों को परेशानी का सामना करना पड़ा। क्योंकि अधिकतर समय पोर्टल नहीं चला। पोर्टल में इम्पीरियल कॉलेज को सिर्फ गर्ल्स कॉलेज दर्शाया गया था। पोर्टल में यह सुविधा है कि छात्र को आवेदन करते समय लड़कियों के कॉलेज लिस्ट में दर्शाए नहीं जाएंगे, जबकि लड़कियों के लिए सभी कॉलेज दिखाए है। लेकिन पोर्टल पर इम्पीरियल कॉलेज को लड़कियों का कॉलेज दर्शाया। डायरेक्टर डा. सत्य सुरेंद्र सिंगला ने बताया कि उनको इस बात का पता दो दिन बाद लगा, तो उन्होंने विभाग के उच्च अधिकारियों को शिकायत दी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....पंजाब केसरी.....

दिनांक 13.9.2020.....पृष्ठ संख्या.....2.....कॉलम.....3-7.....

एच.ए.यू. में 543 परीक्षार्थियों ने स्नातकोत्तर के लिए दी प्रवेश परीक्षा, 337 रहे गैरहाजिर

■ स्नातकोत्तर व पी.एच.डी. प्रोग्रामों में दाखिले के लिए प्रवेश परीक्षा का अंतिम चरण 16 को

हिसार, 12 सितम्बर (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय प्रशासन ने शनिवार को बेसिक साइंस की पी.एच.डी. में दाखिले के लिए प्रवेश परीक्षा का तीसरा चरण आयोजित किया। इसमें 543 परीक्षार्थी शामिल हुए, जबकि 337 अनुपस्थित रहे। इन परीक्षाओं को 4 चरणों में आयोजित किया जाना है।

विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. बी.आर. कंबोज ने बताया कि परीक्षा का आयोजन कोरोना महामारी के चलते केंद्र व राज्य सरकार द्वारा जारी हिदायतों का पालन करते हुए किया जा रहा है। सभी परीक्षा केंद्रों को पहले सैनिटाइज कराया गया था और सामाजिक दूरी व मास्क का भी विशेष ध्यान रखा गया है। परीक्षा सुबह 10.30 से दोपहर 12.30 बजे तक आयोजित की गई।

प्रवेश परीक्षा के दौरान विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. समर सिंह परीक्षा केंद्रों का जायजा लेते हुए व परीक्षा केंद्रों के बाहर परीक्षार्थियों को मास्क उपलब्ध करवाते, थर्मल स्केनिंग करते और हाथ सैनिटाइज करवाते कर्मचारी। (पंकेस)

परीक्षाओं पर पड़ रहा कोरोना का असर

परीक्षा नियंत्रक डॉ. एस.के. पाहुजा ने बताया कि कोरोना महामारी का सीधा असर परीक्षार्थियों की संख्या पर भी पड़ रहा है। इन परीक्षाओं के लिए कुल 3448 ने विद्यार्थियों ने ऑनलाइन आवेदन किया था, जिनमें स्नातकोत्तर व पी.एच.डी. के कोर्स शामिल हैं। परीक्षा के तीसरे चरण में बेसिक साइंस की पी.एच.डी. के लिए आयोजित प्रवेश परीक्षा में 880 उम्मीदवारों को शामिल होना था, जबकि 543 उम्मीदवार ही शामिल हो पाए। उन्होंने बताया कि इन परीक्षाओं को आयोजित करवाने के लिए 4 परीक्षा केंद्र बनाए गए थे। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. समर सिंह व कुलसचिव डॉ. बी.आर. कंबोज सहित अन्य प्रशासनिक अधिकारियों ने परीक्षा केंद्रों का दौरा कर जायजा लिया। स्नातकोत्तर अधिष्ठाता प्रो. आशा क्वात्रा ने बताया कि स्नातकोत्तर व पी.एच.डी. की परीक्षाओं का अंतिम चरण 16 सितम्बर को होगा।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम....अमर उजाला....

दिनांक .13..9..2020..पृष्ठ संख्या.....4.......कॉलम.....3-7.......

एचएयू में 543 परीक्षार्थियों ने दी स्नातकोत्तर व पीएचडी प्रवेश परीक्षा

337 परीक्षार्थी अनुपस्थित, 12 सितंबर से तीसरे चरण की परीक्षा

अमर उजाला ब्यूरो

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) प्रशासन ने शनिवार को बेसिक साइंस के स्नातकोत्तर व पीएचडी कोर्स में दाखिले के लिए प्रवेश परीक्षा का तीसरा चरण आयोजित किया। प्रवेश परीक्षा में 543 परीक्षार्थी शामिल हुए, जबकि 337 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से परीक्षाओं को चार चरणों में आयोजित किया जाना है, जिसका तीसरा चरण 12 सितंबर को आयोजित किया गया।

विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. बीआर कंबोज ने बताया कि सभी परीक्षा केंद्रों को परीक्षा से पहले सैनिटाइज कराया गया था और सामाजिक दूरी व मास्क का भी विशेष ध्यान रखा गया है। परीक्षा सुबह 10 बजकर 30 मिनट से दोपहर 12 बजकर 30 मिनट तक आयोजित की गई। परीक्षा नियंत्रक डॉ. एसके पाहुजा ने बताया कि इन परीक्षाओं के लिए 3448 ने विद्यार्थियों ने ऑनलाइन आवेदन किया था, जिनमें स्नातकोत्तर व पीएचडी के कोर्स शामिल हैं। परीक्षा के तीसरे चरण में बेसिक साइंस की पीएचडी के लिए आयोजित प्रवेश परीक्षा में 880 उम्मीदवारों को शामिल होना था, जबकि 543 उम्मीदवार ही शामिल हो पाए। इन परीक्षाओं को आयोजित करवाने के लिए विवि कैंपस में ही चार परीक्षा केंद्र बनाए गए थे। परीक्षा केंद्र में प्रवेश से पूर्व परीक्षार्थियों को मास्क उपलब्ध करवाए गए। परीक्षा भवन में जाने से पूर्व प्रत्येक उम्मीदवार की थर्मल स्कैनिंग करते हुए उनके हाथ सैनिटाइज करवाए गए। परीक्षा केंद्र के अंदर पेन व एडमिट कार्ड के अलावा अन्य किसी प्रकार की धातु आदि वस्तुओं को ले जाने की मनाही थी। कुलपति प्रो. समर सिंह व कुलसचिव डॉ. बीआर कंबोज सहित अन्य प्रशासनिक अधिकारियों ने परीक्षाओं का जायजा लिया।

कुलपति प्रो. समर सिंह परीक्षा केंद्रों का जायजा लेते हुए व परीक्षा में बैठे परीक्षार्थी।

स्नातकोत्तर अधिष्ठाता प्रो. आशा क्वात्रा ने बताया कि विश्वविद्यालय की ओर से जारी परीक्षा की तिथियों अनुसार 6 सितंबर, 9 सितंबर व 12 सितंबर को तीन चरणों में परीक्षाएं संपन्न हो चुकी हैं। स्नातकोत्तर व पीएचडी की परीक्षाओं का अंतिम चरण 16 सितंबर को होगा।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....पंजाब केसरी.....

दिनांक 13.9.2020.....पृष्ठ संख्या....2.....कॉलम.....4-5.....

कृषि वैज्ञानिकों से बातचीत करते कुलपति प्रो. समर सिंह।

किसानों की समस्या को ध्यान में रखकर करें अनुसंधान : प्रो. समर सिंह

हिसार, 12 सितम्बर (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. समर सिंह ने शनिवार को विश्वविद्यालय के कपास व दलहन अनुभागों का दौरा कर फसल की मौजूदा स्थिति और अनुसंधान कार्यों का जायजा लिया।

कुलपति ने विश्वविद्यालय के अनुसंधान क्षेत्र का किया दौरा

गौरतलब है कि वर्तमान में प्रदेश के कई इलाकों में किसानों की नरमा-कपास की फसल को नुक्सान हुआ है। किसानों की इसी समस्या को ध्यान में रखते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति ने विश्वविद्यालय के कपास अनुभाग में बोई गई कपास की विभिन्न किस्मों की फसल का जायजा लिया और वैज्ञानिकों से विचार-विमर्श किया। उन्होंने वैज्ञानिकों द्वारा इस क्षेत्र में किए जा रहे शोध कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि वे किसानों की मौजूदा समस्याओं को ध्यान में रखकर शोध कार्य करें। कुलपति ने कपास अनुभाग में सूक्ष्म सिंचाई तकनीक द्वारा बोई गई कपास की किस्मों का भी जायजा लिया। इस दौरान दलहन अनुभाग के अनुसंधान क्षेत्र का दौरा कर मूंग, उड़द व अन्य दलहनी फसलों को लेकर चल रहे शोध कार्यों का जायजा लिया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....दैनिक जागरण.....

दिनांक 13.9.2020.....पृष्ठ संख्या.....2.....कॉलम.....1-2.....

किसानों को ध्यान में रख विज्ञानी करें अनुसंधान

जागरण संवाददाता, हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. समर सिंह ने शनिवार को विश्वविद्यालय के कपास व दलहन अनुभागों का दौरा कर फसल की मौजूदा स्थिति और अनुसंधान कार्यों का जायजा लिया। गौरतलब है कि वर्तमान में प्रदेश के कई इलाकों में किसानों की नरमा और कपास की फसल को नुकसान हुआ है।

उन्होंने कहा कि किसान व कृषि विज्ञानी एक सिक्के के दो पहलू हैं। हमारे विश्वविद्यालय का मुख्य उद्देश्य किसानों के लिए फसलों की नई-नई किस्में विकसित करना और आधुनिक तकनीकें प्रदान करना है, ताकि किसान की पैदावार में निरंतर बढ़ोतरी हो। उन्होंने विज्ञानियों द्वारा इस क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि वे किसानों की मौजूदा समस्याओं को ध्यान में रखकर शोध करें।

मक्खी के बावजूद हानि नहीं

कृषि विश्वविद्यालय के कपास अनुभाग में बोई गई नरमा की फसल पर सफेद मक्खी व अन्य बीमारियों का प्रकोप होने के बावजूद फसल में आर्थिक नुकसान नहीं है। विश्वविद्यालय के अनुसंधान फार्म में बोई गई नरमा की फसल में सिफारिश किए गए कीटनाशकों का ही प्रयोग किया गया है।

बताए रसायनों का प्रयोग करें

कुलपति ने कहा कि किसान अपनी फसलों पर विश्वविद्यालय के कृषि विज्ञानियों द्वारा सिफारिश किए गए कीटनाशकों का ही प्रयोग करें। किसी के बहकावे में आकर या एक-दूसरे की होड़ करते हुए फसल पर कीटनाशकों का छिड़काव न करें।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....दैनिक भास्कर.....

दिनांक 13.9.2020 पृष्ठ संख्या.....2.....कॉलम.....3-4.....

कुलपति ने अनुसंधान क्षेत्र का किया दौरा

वैज्ञानिकों से अपील- किसानों की समस्या को ध्यान में रख करें अनुसंधान

भास्कर न्यूज | हिसार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने शनिवार को विश्वविद्यालय के कपास और दलहन अनुभागों का दौरा कर फसल की मौजूदा स्थिति और अनुसंधान कार्यों का जायजा लिया। वैज्ञानिक व अन्य को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। गौरतलब है कि वर्तमान में प्रदेश के कई इलाकों में किसानों की नरमा कपास की फसल को नुकसान हुआ है। किसानों की इसी समस्या को ध्यान में रखते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति ने विश्वविद्यालय के कपास अनुभाग में बोई गई कपास की विभिन्न किस्मों की फसल का जायजा लिया और वैज्ञानिकों से विचार-विमर्श किया। उन्होंने कपास अनुभाग के वैज्ञानिकों से बातचीत करते हुए कहा कि किसान व कृषि वैज्ञानिक एक सिक्के के दो पहलू हैं। हमारे विश्वविद्यालय का मुख्य उद्देश्य किसानों के लिए फसलों की नई-नई किस्में विकसित करना और आधुनिक तकनीकें प्रदान करना है ताकि किसान की पैदावार में निरंतर बढ़ोतरी हो। उन्होंने वैज्ञानिकों द्वारा इस क्षेत्र में किए जा रहे शोध कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि वे किसानों की मौजूदा समस्याओं को ध्यान में रखकर शोध कार्य करें।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम ...दैनिक भास्कर, अमर उजाला...
दिनांक 13.9.2020 पृष्ठ संख्या 9, 4 कॉलम 1, 8

किसानों की समस्या को ध्यान में रख करें अनुसंधान

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने शनिवार को विश्वविद्यालय के कपास व दलहन अनुभागों का दौरा कर फसल की मौजूदा स्थिति और अनुसंधान कार्यों का जायजा लिया। गौरतलब है कि वर्तमान में प्रदेश के कई इलाकों में किसानों की नरमा कपास की फसल को नुकसान हुआ है। किसानों की इसी समस्या को ध्यान में रखते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति ने विश्वविद्यालय के कपास अनुभाग में बोई गई कपास की विभिन्न किस्मों की फसल का जायजा लिया और वैज्ञानिकों से विचार-विमर्श किया। इस अवसर पर आनुवांशिकी एवं पौध प्रजनन विभाग के अध्यक्ष डॉ. ए.के. छाबड़ा सहित संबंधित अनुभागों के वैज्ञानिक मौजूद थे। वैज्ञानिकों ने बताया कि विश्वविद्यालय के कपास अनुभाग में बोई गई नरमा की फसल पर सफेद मक्खी व अन्य बीमारियों का प्रकोप होने के बावजूद फसल में आर्थिक नुकसान नहीं है।

किसानों की समस्या को ध्यान में रखकर करें शोध : प्रो. समर सिंह

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) के कुलपति प्रो. समर सिंह ने शनिवार को विश्वविद्यालय के कपास व दलहन अनुभागों का दौरा कर फसल की मौजूदा स्थिति और अनुसंधान कार्यों का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने वैज्ञानिकों से किसानों की मौजूदा समस्याओं को ध्यान में रखकर शोध कार्य करने का आह्वान किया। इस मौके पर वैज्ञानिकों ने बताया कि विवि के कपास अनुभाग में बोई गई नरमे की फसल पर सफेद मक्खी व अन्य बीमारियों का प्रकोप होने के बावजूद फसल में आर्थिक नुकसान नहीं है। यह सब कपास में उचित समय पर बिजाई व समन्वित कृषि प्रबंधन का ही नतीजा है। ब्यूरो

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....अमर उजाला.....

दिनांक 13.9.2020...पृष्ठ संख्या.....1.....कॉलम.....2-6.....

प्रयास

मशरूम, बायो फर्टिलाइजर, फूड प्रोसेसिंग सहित विभिन्न प्रशिक्षण दे रहा विश्वविद्यालय

युवाओं को स्वरोजगार स्थापित करने को प्रशिक्षण देगी एचएयू

अमर उजाला ब्यूरो

हिसार। कोरोना संकट के दौरान महानगरों से नौकरी छोड़कर आए युवाओं को चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय कृषि स्वरोजगार स्थापित करने में सहयोग करेगा। विवि युवाओं को कृषि आधारित व्यवसाय शुरू करने के लिए प्रशिक्षण देगा और व्यवसाय शुरू करवाने तक तकनीकी व योजनागत सहयोग देगा।

सरकार द्वारा कृषि क्षेत्र में एक लाख करोड़ रुपये में से किस-किस योजना के तहत युवा स्वरोजगार स्थापित करने के लिए पैसा हासिल कर सकते हैं, यह भी बताया जाएगा। विवि के कुलपति प्रो. समर सिंह ने कहा कि युवाओं में अपना व्यवसाय शुरू करने की काबिलियत है, लेकिन उन्हें रास्ता नहीं मिल रहा है। विवि उन्हें रास्ता दिखाएगा और सहयोग करेगा। व्यवसाय शुरू करवाने में भी पूरा

मूंग से दाल बना खुद बेचकर कमाएं अधिक लाभ

विशेषज्ञों के अनुसार, कृषि क्षेत्र में व्यवसायों की कमी है। बाहर नौकरी करने वाले युवा व्यवसाय के दृष्टिकोण के साथ खेती कर उत्पाद को अधिक दामों में बेच सकता है। जो मूंग किसान बाहर सीधा बेचता है, उस मूंग को दाल बनाकर पैकिंग बेचे तो बिचौलिये खत्म होंगे और किसान का मुनाफा बढ़ेगा। ऐसे ही हर कृषि उत्पाद से संबंधित फूड प्रोसेसिंग प्लांट लगाया जा सकता है। विवि के कुलपति प्रो. समर सिंह ने बताया कि चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय और महाराणा प्रताप बागवानी विवि दोनों ही संस्थान युवाओं को प्रशिक्षण देने की संख्या बढ़ा रहे हैं। इसमें मशरूम, मधुमक्खी पालन, सब्जी-फलों की प्रोसेसिंग और मार्केटिंग, बायो फर्टिलाइजर आदि प्रशिक्षण दिए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि हम केवल प्रशिक्षण नहीं देंगे, बल्कि युवाओं का व्यवसाय शुरू करवाएंगे। उन्हें इसके लिए वित्त, मार्केटिंग, संसाधन आदि किस-किस चीज की जरूरत होगी और वो कैसे पूरी होंगी, इसके बारे में भी पूरी जानकारी दी जाएगी।

विश्वविद्यालय आकर जानकारी लें युवा

जो युवा कृषि से संबंधित अपना कोई भी व्यवसाय शुरू करना चाहते हैं, वे विवि जरूर आएं और इसके बारे में यहां के वैज्ञानिकों से और एबिक सेंटर में संपर्क करके पूरी जानकारी लें। वे जानें कि सरकार की कौन-कौन सी योजनाएं हैं और विवि में वे कौन सी ट्रेनिंग लेकर अपना व्यवसाय शुरू कर सकते हैं। विवि युवाओं को व्यवसाय शुरू करने में सहयोग करने को तैयार है। पिछले वर्ष एबिक सेंटर के माध्यम से ही करीब 40 लोगों ने अपना व्यवसाय शुरू किया था।

- प्रो. समर सिंह, कुलपति, हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम........दैनिक भास्कर........

दिनांक 14.9.2020 पृष्ठ संख्या.....4.....कॉलम.....1-4.....

किसानों के लिए अब एचएयू में टेली एग्रीकल्चर की शुरुआत, फसलों को रोगों से निजात दिलाने और उत्पादन बढ़ाने के लिए वीडियो कॉल से वैज्ञानिक दे रहे टिप्स

प्रदेश के साठ हजार से अधिक किसान अभी तक टेली एग्रीकल्चर का उठा चुके लाभ, एचएयू के ई-मौसम मोबाइल एप को किया अपडेट, किसान फसल के साथ फोटो डाल ले रहे जानकारी

महबूब अली | हिसार

कोरोना काल में स्टूडेंट्स की ऑनलाइन पढ़ाई की तर्ज पर प्रदेश के किसानों को भी एचएयू के वैज्ञानिक फसलों का उत्पादन बढ़ाने और रोगों से निजात दिलाने का पाठ पढ़ाते नजर आ रहे हैं। कोरोना के चलते किसानों को फसलों में लगने वाले रोग और अत्याधुनिक तरीके से फसल उगाने के लिए एचएयू ने टेली एग्रीकल्चर की शुरुआत की है।

एचएयू के कुलपति प्रो. समर सिंह।

अब किसानों को एचएयू के वैज्ञानिक वीडियो कॉल के माध्यम फसलों में लगने वाले रोग से बचाव के टिप्स दे रहे हैं। यही नहीं सप्ताह में एक वेबिनार भी किसानों के लिए कराया जा रहा है। एचएयू के कुलपति ने किसानों की समस्याओं के समाधान के लिए 12 से अधिक वैज्ञानिकों को जिम्मेदारी सौंपी है। प्रदेश के विभिन्न गांव, कस्बों के किसानों को एचएयू अपने साथ जोड़ रहा है, ताकि वह गांव के लोगों को तकनीकी ज्ञान देकर खेती में सहयोग कर उत्पादकता बढ़ा सके। किसान की फसल में जब कीटों का प्रकोप बढ़ता है तो वह सैंपल लेकर विवि या संबंधित कृषि विज्ञान केंद्र पर पहुंचता था। वैज्ञानिक सैंपल के लक्षणों को देखकर उसकी दवाई या उसके निवारण के बारे में जानकारी देते थे। इस बार कोरोना के चलते ऐसा संभव नहीं हो पा रहा था। इसके मद्देनजर एचएयू के वैज्ञनिकों और प्रत्येक कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिकों को टेली एग्रीकल्चर के व्हाट्सएप ग्रुप से जोड़ा है। ग्रुप पर आने वाली किसानों की समस्या का वैज्ञानिकों द्वारा निदान किया जा रहा है। वीडियो काल आने पर भी किसानों को पूरी जानकारी दी जा रही है। एचएयू ई-मौसम एचएयू मोबाइल एप से मैसेज और सोशल मीडिया के माध्यम से किसानों को जानकारी देता रहा है। पहले वीडियो कॉल से सलाह देने की सुविधा नहीं थी। ई-मौसम एचएयू मोबाइल एप को भी अपडेट किया है। किसान अपनी व फसल की फोटो डालकर किसी भी तरह की जानकारी प्राप्त कर सकता है। इसकी जिम्मेदारी एचएयू के कृषि मौसम विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ. मदन खिचड़ निभा रहे हैं।

किसानों की इन समस्याओं का हो रहा समाधान

कोरोना काल में किसानों के लिए शुरू की टेली एग्रीकल्चर वरदान सावित हो रही है। इसके लिए व्हाट्स एप ग्रुप से जुड़े किसान फसलों में आ रहे रोग की फोटो भेजकर समस्या का समाधान पूछ रहे हैं। बीज, पौध, कृषि यंत्रों के साथ कई किसान जैविक एवं प्राकृतिक खेती की भी जानकारी ले रहे हैं।

इन जिलों से पहुंच रही सबसे अधिक समस्याएं :
हिसार, रोहतक, पानीपत, सोनीपत, गुरुग्राम, फरीदाबाद, सिरसा, फतेहाबाद, भिवानी, चरखी दादरी, मेवात और कुरूक्षेत्र आदि से अधिक समस्याएं पहुंच रही हैं।

इन नंबरों पर कॉल कर किसान ले सकते हैं जानकारी

टोल फ्री नंबर 18001803001, 18001804002, 1800180311

एप से हर सप्ताह 5 लाख किसानों को दी जाती है जानकारी

एचएयू के कुलपति प्रो. समर सिंह ने बताया कि विवि ने ई-मौसम एचएयू मोबाइल एप डिवेलप किया था। इसके माध्यम से पहले से हर सप्ताह करीब पांच लाख किसानों को सोशल मीडिया, एसएमएस के माध्यम से मौसम, फसलों में रोगों से बचाव की जानकारी दी जा रही है। पचास हजार से अधिक लोगों ने एप्लीकेशन को डाउनलोड कर लाभ उठाना शुरू कर दिया है। इसके लिए कृषि मौसम विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ. मदन खिचड़ की जितनी सराहना की जाए कम है।

टेली एग्रीकल्चर किसानों को जानकारी देने के लिए वरदान साबित हो रही है। हालांकि एसएमएस और सोशल मीडिया के माध्यम से पहले से ही विवि किसानों को जानकारी दे रहा था। मगर अब वीडियो कॉल के माध्यम से संस्थान के वैज्ञानिकों को समस्याओं के समाधान की जिम्मेदारी सौंप दी गई है। प्रयास है कि किसानों को किसी भी तरह की परेशानी न होने दी जाए।
- डॉ. समर सिंह, कुलपति, एचएयू।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम .... दैनिक जागरण ....

दिनांक 14.9.2020 पृष्ठ संख्या ....3.... कॉलम ....2-4....

एचएयू की अधूरी परियोजनाओं को मिलेगी रफ्तार, मिला 98.27 करोड़ का अनुदान

जागरण संवाददाता, हिसारः चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के अभी तक पैसे के अभाव में अधूरे पड़े प्रोजेक्ट, अनुसंधान, विस्तार शिक्षा व शैक्षणिक गतिविधियां नहीं रुकेंगी। इसके अलावा सेवानिवृत्त कर्मचारियों की ग्रेच्युटी, लीव इनकैशमेंट, सीवीपी आदि की पेमेंट भी जल्द कर दी जाएगी। इसके लिए सरकार के वित्त विभाग द्वारा विश्वविद्यालय को 98.27 करोड़ रुपये की अनुदान राशि जारी कर दी गई है। यह राशि विश्वविद्यालय को दूसरी तिमाही के लिए दी गई है। वित्त नियंत्रक नवीन जैन ने बताया कि विश्वविद्यालय को सरकार द्वारा प्रतिवर्ष चार तिमाही में अनुदान राशि जारी की जाती है। इस बार दूसरी तिमाही की अनुदान राशि जो जून माह में जारी की जानी थी, वह कोरोना महामारी व कुछ अन्य प्रशासनिक कारणों से जारी नहीं हो सकी थी। इसकी वजह से विश्वविद्यालय के कई प्रोजेक्ट अधर में लटके हुए थे और निर्माण, अनुसंधान, विस्तार शिक्षा व शैक्षणिक गतिविधियों पर भी पैसे के अभाव में विपरीत असर पड़ रहा था। अब वित्त विभाग की ओर से यह अनुदान राशि सितंबर माह में जारी कर दी गई है।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह। •जागरण आर्काइव

सेवानिवृत्त कर्मचारियों को नहीं हो कोई परेशानी : कुलपति

कुलपति प्रो. समर सिंह ने अधिकारियों व कर्मचारियों को दिशा-निर्देश दिए हैं कि विश्वविद्यालय के सेवानिवृत्त कर्मचारियों के सभी कामों को प्राथमिकता के आधार पर निपटाया जाए। इसके लिए उन्हें दर-दर नहीं भटकना चाहिए। उन्होंने कहा कि सेवानिवृत्त कर्मचारियों ने विश्वविद्यालय को उन्नति के शिखर पर ले जाने में अपना अहम योगदान दिया है। इसलिए उनके पेंशन, ग्रेच्युटी, लीव इनकैशमेंट व मेडिकल संबंधी किसी भी प्रकार के कार्यों में देरी नहीं होनी चाहिए।

J हिसार की अन्य खबरें पढ़ने के लिए देखें www.jagran.com

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय
समाचार पत्र का नाम दैनिक भास्कर
दिनांक 14.9.2020 पृष्ठ संख्या 2 कॉलम 3-5

अब एचएयू के अधूरे प्रोजेक्ट्स पकड़ेंगे रफ्तार, 98.27 करोड़ का मिला अनुदान

प्राथमिकता से पूरे करें सेवानिवृत्त कर्मचारियों के काम : प्रो. समर सिंह

भास्कर न्यूज़ | हिसार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के अभी तक रुपयों के अभाव में अधूरे पड़े प्रोजेक्ट और अन्य अनुसंधान, विस्तार शिक्षा व शैक्षणिक गतिविधियां नहीं रुकेंगी। इसके अलावा सेवानिवृत्त कर्मचारियों की ग्रेच्यूटी, लीव इनकैशमेंट, सीवीपी आदि की पेमेंट भी जल्द कर दी जाएगी। इसके लिए हरियाणा सरकार के वित्त विभाग ने एचएयू को लगभग सौ करोड़ रुपए (98.27 करोड़ रुपये) की अनुदान राशि जारी कर दी गई है। यह राशि विश्वविद्यालय को दूसरी तिमाही के लिए दी गई है।

यह जानकारी देते हुए विवि के वित्त नियंत्रक नवीन जैन ने बताया कि विश्वविद्यालय को सरकार की ओर से प्रतिवर्ष चार तिमाही में अनुदान राशि जारी की जाती है। इस बार दूसरी तिमाही की अनुदान राशि जो जून माह में जारी की जानी थी, वह कोरोना महामारी व कुछ अन्य प्रशासनिक कारणों से जारी नहीं हो सकी थी। इसकी वजह से विश्वविद्यालय के कई प्रोजेक्ट अधर में लटके हुए थे और निर्माण, अनुसंधान, विस्तार शिक्षा व शैक्षणिक गतिविधियों पर भी पैसे के अभाव में विपरीत असर पड़ रहा था। उन्होंने बताया कि अब हरियाणा सरकार के वित्त विभाग की ओर से यह अनुदान राशि सितम्बर माह में जारी कर दी गई है। वित्त नियंत्रक ने बताया कि विश्वविद्यालय की रुकी हुई ग्रांट जारी करवाने व कर्मचारियों के सीपीएफ से पेंशन केस के लिए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. समर सिंह ने उन्हें विशेष दायित्व सौंपा हुआ था। उन्होंने बताया कि इसको लेकर चंडीगढ़ में वित्त विभाग के उच्च अधिकारियों से विचार-विमर्श के बाद ग्रांट जारी करवा दी है और विश्वविद्यालय के कर्मचारियों का सीपीएफ से पेंशन का केस जोकि लंबे समय से वित्त विभाग के पास क्लेरीफिकेशन के लिए अधूरा पड़ा था, वह जल्द पूरा होने की उम्मीद है।

सेवानिवृत्त कर्मचारियों को नहीं हो परेशानी : कुलपति

एचएयू के कुलपति प्रो. समर सिंह ने अधिकारियों व कर्मचारियों को दिशा-निर्देश दिए हैं कि विवि के सेवानिवृत्त कर्मचारियों के सभी कामों को प्राथमिकता के आधार पर निपटाया जाए। इसके लिए उन्हें दर-दर नहीं भटकना चाहिए। उन्होंने कहा कि सेवानिवृत्त कर्मचारियों ने विश्वविद्यालय को उन्नति के शिखर पर ले जाने में अपना अहम् योगदान दिया है। इसलिए उनके पेंशन, ग्रेच्यूटी, लीव इनकेशमेंट व मेडिकल संबंधी किसी भी प्रकार के कार्यों में देरी नहीं होनी चाहिए।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम..... पंजाब केसरी .....

दिनांक 14.9.2020 पृष्ठ संख्या..... 2 .....कॉलम.....1-5.....

एच.ए.यू. के अधूरे प्रोजैक्ट्स पकड़ेंगे रफ्तार सरकार से मिला 100 करोड़ का अनुदान

■ प्राथमिकता से पूरे करें सेवानिवृत्त कर्मचारियों के काम : प्रोफेसर समर सिंह

हिसार, 13 सितम्बर (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय के अभी तक अधूरे पड़े प्रोजैक्ट और अन्य अनुसंधान, विस्तार शिक्षा व शैक्षणिक गतिविधियां पैसे के अभाव में नहीं रुकेंगी। इसके अलावा सेवानिवृत्त कर्मचारियों की ग्रैच्युटी, लीव इनकैशमैंट, सी.वी.पी. आदि की पेमैंट भी कर जल्द कर दी जाएगी। इसके लिए हरियाणा सरकार के वित्त विभाग की ओर से विश्वविद्यालय को लगभग 100 करोड़ रुपए की अनुदान राशि जारी कर दी गई है। यह राशि विश्वविद्यालय को दूसरी तिमाही के लिए दी गई है।

विश्वविद्यालय के वित्त नियंत्रक नवीन जैन ने बताया कि विश्वविद्यालय को सरकार की ओर से प्रतिवर्ष 4 तिमाही में अनुदान राशि जारी की जाती है। इस बार दूसरी तिमाही की अनुदान राशि जो जून माह में जारी की जानी थी, जो कोरोना महामारी व कुछ अन्य प्रशासनिक कारणों से जारी नहीं हो सकी थी। इस वजह से विश्वविद्यालय के कई प्रोजैक्ट अधर में लंटके हुए थे और निर्माण, अनुसंधान, विस्तार शिक्षा व शैक्षणिक गतिविधियों पर भी पैसे के अभाव में विपरीत असर पड़ रहा था। उन्होंने बताया कि अब हरियाणा सरकार के वित्त विभाग की ओर से यह अनुदान राशि सितम्बर माह में जारी कर दी गई है। वित्त नियंत्रक ने बताया कि विश्वविद्यालय की रुकी हुई ग्रांट जारी करवाने व कर्मचारियों के सी.पी.एफ. से पैंशन केस के लिए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. समर सिंह ने उन्हें विशेष दायित्व सौंपा हुआ था। उन्होंने बताया कि इसको लेकर चंडीगढ़ में वित्त विभाग के उच्च अधिकारियों से विचार-विमर्श के बाद ग्रांट तो जारी करवा दी गई है और विश्वविद्यालय के कर्मचारियों का सी.पी.एफ. से पैंशन का केस जोकि पिछले लंबे समय से वित्त विभाग के पास क्लैरीफिकेशन के लिए अधूरा पड़ा हुआ था, वह भी जल्द ही पूरा होने की उम्मीद है केस के बारे में वित्त विभाग के अधिकारियों से जल्द पूरा हो आश्वासन मिला है।

सेवानिवृत्त कर्मचारियों को न हो कोई परेशानी : कुलपति

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. समर सिंह ने अधिकारियों व कर्मचा को दिशा-निर्देश दिए हैं कि विश्वविद्यालय के सेवानिवृत्त कर्मचारियं सभी कामों को प्राथमिकता के आधार पर निपटाया जाए। इसके उन्हें दर-दर नहीं भटकना पड़े। उन्होंने कहा कि सेवानिवृत्त कर्मचा ने विश्वविद्यालय को उन्नति के शिखर पर ले जाने में अपना योगदान दिया है। इसलिए उनकी पैंशन, ग्रेच्युटी, लीव इनकेशमै मैडीकल संबंधी किसी भी प्रकार के कार्यों में देरी नहीं होनी चा उन्होंने कहा कि अब विश्वविद्यालय को सरकार की ओर से दूसरी कि के लिए लगभग 100 करोड़ रुपए की अनुदान राशि मिल चुकी है। इस सेवानिवृत्त कर्मचारियों की पेंडिंग पड़ी सभी पेमैंट को जल्द से जल्द दिया जाना चाहिए।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम....हरि भूमि....

दिनांक 14.9.2020 पृष्ठ संख्या....9....कॉलम....1....

खबर संक्षेप

सरकार से मिला सौ करोड़ रुपए का अनुदान

हिसार। चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय के अभी तक पैसे के अभाव में अधूरे पड़े प्रोजेक्ट और अन्य अनुसंधान, विस्तार शिक्षा तथा शैक्षणिक गतिविधियां नहीं रूकेंगी। इसके अलावा सेवानिवृत्त कर्मचारियों की ग्रेच्यूटी, लीव इनकैशमेंट, सीवीपी आदि की पेमेंट भी कर जल्द कर दी जाएगी। इसके लिए हरियाणा सरकार के वित्त विभाग की ओर से विश्वविद्यालय को लगभग सौ करोड़ रुपये की अनुदान राशि जारी कर दी गई है। यह राशि विश्वविद्यालय को दूसरी तिमाही के लिए दी गई है। विश्वविद्यालय के वित्त नियंत्रक नवीन जैन ने बताया कि विश्वविद्यालय को सरकार की ओर से प्रतिवर्ष चार तिमाही में अनुदान राशि जारी की जाती है। इस बार दूसरी तिमाही की अनुदान राशि जो जून माह में जारी की जानी थी, वह कोरोना महामारी तथा कुछ अन्य प्रशासनिक कारणों से जारी नहीं हो सकी थी। इसकी वजह से विश्वविद्यालय के कई प्रोजेक्ट अधर में लटके थे। वहीं, कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने अधिकारियों व कर्मचारियों को दिशा-निर्देश दिए हैं कि विवि के सेवानिवृत्त कर्मचारियों के सभी कामों को प्राथमिकता के आधार पर निपटाया जाए।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....अमर उजाला.....

दिनांक 14.9.2020.....पृष्ठ संख्या.....1.....कॉलम.....2.5....

एचएयू को सौ करोड़ रुपये का मिला अनुदान

अधूरी परियोजनाएं पकड़ेंगी रफ्तार, विश्वविद्यालय को दूसरी तिमाही के लिए दी गई है यह राशि

अमर उजाला ब्यूरो

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) के अभी तक पैसे के अभाव में अधूरे पड़े प्रोजेक्ट और अन्य अनुसंधान, विस्तार शिक्षा व शैक्षणिक गतिविधियां नहीं रुकेंगी। इसके अलावा सेवानिवृत्त कर्मचारियों की ग्रेच्युटी, लीव इनकैशमेंट, सीवीपी आदि की पेमेंट भी कर जल्द कर दी जाएगी।

इसके लिए हरियाणा सरकार के वित्त विभाग की ओर से विश्वविद्यालय को लगभग सौ करोड़ (98.27 करोड़) की अनुदान राशि जारी कर दी गई है। यह राशि

विश्वविद्यालय को दूसरी तिमाही के लिए दी गई है। विश्वविद्यालय के वित्त नियंत्रक नवीन जैन ने बताया कि विश्वविद्यालय को सरकार की ओर से प्रतिवर्ष चार तिमाही में अनुदान राशि जारी की जाती है। इस बार दूसरी तिमाही की अनुदान राशि जो जून में जारी की जानी थी, वह कोरोना महामारी व कुछ अन्य प्रशासनिक कारणों से जारी नहीं हो सकी थी। इससे विश्वविद्यालय के कई प्रोजेक्ट अधर में लटके हुए थे और निर्माण, अनुसंधान, विस्तार शिक्षा व शैक्षणिक गतिविधियों पर भी पैसे के अभाव में विपरीत असर पड़ रहा था। अब हरियाणा सरकार के वित्त विभाग की ओर से यह अनुदान राशि सितंबर में जारी कर दी गई है। इसके अलावा विश्वविद्यालय के कर्मचारियों का सीपीएफ से पेंशन का केस जोकि पिछले लंबे समय से वित्त विभाग के पास क्लेरिफिकेशन के लिए अधूरा पड़ा था, वह भी जल्द ही पूरा होने की उम्मीद है। इस केस के बारे में वित्त विभाग के उच्च अधिकारियों से जल्द पूरा होने का आश्वासन मिला है।

सेवानिवृत्त कर्मचारियों को नहीं हो कोई परेशानी : कुलपति

कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने अधिकारियों व कर्मचारियों को दिशा-निर्देश दिए हैं कि विश्वविद्यालय के सेवानिवृत्त कर्मचारियों के सभी कामों को प्राथमिकता के आधार पर निपटाया जाए। चूंकि अब लगभग सौ करोड़ रुपये की अनुदान राशि मिली है, इसलिए सेवानिवृत्त कर्मचारियों की पेंडिंग पड़ी सभी पेमेंट जल्द कर दी जाए।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....दैनिक भास्कर.....

दिनांक 14.9.2020.....पृष्ठ संख्या.....2.....कॉलम.....3-7.....

राष्ट्रीय पोषण माह पर विशेष

चूल्हे चौके से चलता स्वरोजगार... एचएयू से ट्रेनिंग ले हजारों महिलाएं बनीं स्वावलंबी

लोगों को स्वास्थ्य संबंधी टिप्स दे एचएयू का खाद्य एवं पोषण विभाग बना रहा आत्मनिर्भर

मंडे पॉजिटिव

महबूब अली | हिसार

एचएयू का खाद्य एवं पोषण विभाग पिछले करीब 46 साल से प्रदेश के सभी जिलों के बच्चे, महिला-पुरुषों को कुपोषण से बचाने के लिए जागरूक कर रहा है।

विभाग के प्रोफेसर, छात्र और स्टाफ के अन्य लोग गांव-गांव और शहर जाकर लोगों को स्वस्थ रहने के लिए खान-पान के तरीके बताते हैं। यही नहीं विभाग में तैयार खाद्य पदार्थों को बनाने की ट्रेनिंग देकर महिलाओं को स्वरोजगार दिलाने में अहम भूमिका निभाई जा रही है। यही नहीं लोगों के खानपान में आ रहे बदलाव को लेकर समय-समय पर विभाग के वैज्ञानिक और प्रोफेसर रिसर्च कर लोगों को बदलाव के संबंध में टिप्स देते हैं। अब वेबिनार के माध्यम से लोगों को जागरूक किया जा रहा है। एचएयू के कुलपति ने भी खाद्य एवं पोषण विभाग की सराहना की है। दरअसल, एचएयू में वर्ष 1974 में गृह विज्ञान महाविद्यालय के अंदर ही खाद्य एवं पोषण विभाग की स्थापना की थी। गृह विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. बिमला ढांडा और एचएयू का खाद्य एवं पोषण विभाग की अध्यक्ष डॉ. संगीता संधु का कहना है कि खान पान को लेकर पिछले 46 साल से विभाग हिसार के अलावा पानीपत, सोनीपत, भिवानी, फतेहाबाद, सिरसा, गुरुग्राम, फरीदाबाद, रोहतक, कुरुक्षेत्र, चरखी दादरी, झज्जर समेत प्रदेश के सभी जिलों के गांव और कस्बों में जाकर जागरूकता अभियान चलाता है। यही नहीं अधिक आमदनी वाले खाद्य पदार्थों को बनाने की ट्रेनिंग भी महिलाओं को दी जाती है। विभाग से ट्रेंड होकर हजारों महिलाएं खुद घर पर खाद्य पदार्थ बनाने के बाद बिक्री कर परिवार का पालन पोषण कर रही हैं। एचएयू के कुलपति प्रो. समर सिंह का कहना है कि प्रदेश के विभिन्न जिलों के लोगों को जागरूक करने में खाद्य एवं पोषण विभाग की भूमिका अहम है। विभाग की जितनी सराहना की जाए कम है।

हिसार में महिलाओं को ट्रेनिंग देने के बाद खड़ी एचएयू के ग्रह विज्ञान विभाग की टीम।

दो उद्देश्यों पर मुख्य रूप से काम करता है विभाग

विभाग मुख्यतः दो उद्देश्यों से काम करता है, एक कम प्रचलित खाद्य पदार्थों के इस्तेमाल से पोष्टिक व उत्तम गुणवत्ता वाली खाद्य वस्तुएं बनाना तथा दूसरा सभी आयु वर्ग के पोषण स्तर को जानने के लिए सर्वेक्षण करना। लॉकडाउन के दौरान भी सोशल मीडिया और एसएमएस के माध्यम से लोगों तक जानकारी पहुंचाई जा रही है। प्रतिदिन व्हाट्सएप, एसएमएस कर लोगों को जागरूक किया जाता है।

बेकरी व अन्य पदार्थ बनाने की दी जाती निःशुल्क ट्रेनिंग

खाद्य एवं पोषण विभाग की अध्यक्षा डॉ. संगीता चहल सिंधु ने बताया कि महिलाओं को विभाग में बेकरी से लेकर खाद्य पदार्थ बनाने की ट्रेनिंग भी समय समय पर दी जाती है। इसके अलावा स्कूल, कॉलेज की छात्राओं तथा ग्रामीण महिलाओं के लिए कई प्रतियोगिताएं कराई जाती हैं। जैसे रेसिपी मेंकिंग, पोस्टर मेकिंग, स्लोगन राइटिंग प्रतियोगिता आदि।

बीमारियों से बचाव के लिए किचन को साफ रखना भी जरूरी

जिलों में टीम महिलाओं को हाईजीन के प्रति भी जागरूक करती है। किचन को साफ सुथरा रखने की अपील की जाती है। बताया जाता है कि किचन गंदा रहता है तो लोगों के अंदर भी बीमारियों को फैलने का खतरा बना रहता है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....नित्य शक्ति टाइम्स.....

दिनांक 12.9.2020.....पृष्ठ संख्या.....—.....कॉलम.....—

शिक्षक वर्ग के लिए प्रासंगिक है आरंभिक प्रशिक्षण : डॉ. सिद्धपुरिया

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में नवनियुक्त वैज्ञानिकों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

नित्य शक्ति टाइम्स न्यूज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में नवनियुक्त अनुसंधान, शिक्षण व विस्तार के शिक्षकों एव वैज्ञानिकों के लिए आरंभिक प्रशिक्षण शुरू किया गया। प्रशिक्षण का आयोजन नवनियुक्त वैज्ञानिकों को विश्वविद्यालय के ढांचे व गतिविधियों की जानकारी देने को लेकर किया जा रहा है। प्रशिक्षणार्थियों को संबोधित करते हुए मानव संसाधन प्रबंधन

निदेशालय के निदेशक डॉ. एम.एस. सिद्धपुरिया ने कहा कि यह प्रशिक्षण कार्यक्रम शिक्षक समुदाय के लिए बहुत ही प्रासंगिक है और उम्मीद है कि सभी प्रतिभागी इस कोर्स से अधिक से अधिक लाभ उठाएंगे। उन्होंने प्रतिभागियों को निदेशालय के संगठनात्मक सेट-अप से परिचित कराया और इसके चार प्रकोष्ठों में से प्रत्येक के कार्यों के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होंने सभी प्रतिभागियों से सफलतापूर्वक, पूरी लगन और मेहनत से इस रिफ्रेशर कोर्स को पूरा करने का आह्वान किया।

मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय की संयुक्त निदेशक व कार्यक्रम की संयोजक डॉ. मंजू मेहता ने बताया कि इस आरंभिक प्रशिक्षण कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के 21 नवनियुक्त शिक्षक शामिल हैं। इस प्रशिक्षण के माध्यम से सभी प्रतिभागियों को विश्वविद्यालय की सभी गतिविधियों,

नियमों के बारे में दी जानकारी

सहायक निदेशक डॉ. जितेंद्र भाटिया ने बताया कि प्रशिक्षणार्थियों को प्रतिदिन अलग-अलग क्षेत्रों के विशेषज्ञ व्याख्यान देते हैं, जिनमें विश्वविद्यालय के व बाहर के विशेषज्ञ भी शामिल हैं। विश्वविद्यालय के एसवीसी श्याम सुंदर शर्मा ने विश्वविद्यालय के एक्ट एंड स्टेट्यूट्स व यात्रा भत्ता नियमों के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के नियमों व कायदे कानूनों के बारे में प्रत्येक कर्मचारी को जानकारी होनी चाहिए, जो पूरे सेवाकाल में काम आती है। विश्वविद्यालय में स्थापित विभिन्न कॉलेजों सहित अन्य संस्थानों में प्रशिक्षणार्थियों को प्रतिदिन किसी एक संस्थान का भ्रमण करवाया जाता है। इस दौरान वहां के संगठनात्मक ढांचे व गतिविधियों की जानकारी दी जाती है ताकि नवनियुक्त शिक्षक विश्वविद्यालय की प्रत्येक गतिविधि जो उनके सेवाकाल में काम आएगी, उससे अवगत हो सकें।

नियमों, कानून, एक्ट एंड स्टेट्यूट्स, विश्वविद्यालय प्रशासन के संगठनात्मक ढांचे, महाविद्यालयों के संगठनात्मक ढांचे व गतिविधियों के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी जाएगी। कोरोना महामारी के चलते प्रतिदिन प्रशिक्षण शुरू होने से पहले प्रशिक्षण हॉल को सेनेटाइज करवाया जाता है और उसके बाद सामाजिक दूरी व मास्क का विशेष ध्यान रखा जाता है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम....पाँच बजे....

दिनांक 12.9.2020....पृष्ठ संख्या....—....कॉलम....—....

हकृवि में नवनियुक्त वैज्ञानिकों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

शिक्षक वर्ग के लिए प्रासंगिक है आरंभिक प्रशिक्षण : डॉ. सिद्धपुरिया

पांच बजे न्यूज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में नवनियुक्त अनुसंधान, शिक्षण व विस्तार के शिक्षकों एवं वैज्ञानिकों के लिए आरंभिक प्रशिक्षण शुरू किया गया। प्रशिक्षण का आयोजन नवनियुक्त वैज्ञानिकों को विश्वविद्यालय के ढांचे व गतिविधियों की जानकारी देने को लेकर किया जा रहा है। प्रशिक्षणार्थियों को संबोधित करते हुए मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय के निदेशक डॉ. एम.एस. सिद्धपुरिया ने कहा कि यह प्रशिक्षण कार्यक्रम शिक्षक समुदाय के लिए बहुत ही प्रासंगिक है और उम्मीद है कि सभी प्रतिभागी इस कोर्स से अधिक से अधिक लाभ उठाएंगे। उन्होंने प्रतिभागियों को निदेशालय के संगठनात्मक सेट-अप से परिचित कराया और इसके चार प्रकोष्ठों में से प्रत्येक के कार्यों के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होंने सभी प्रतिभागियों से सफलतापूर्वक, पूरी लगन और मेहनत से इस रिफ्रेशर कोर्स को पूरा करने का आह्वान किया। मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय की संयुक्त निदेशक व कार्यक्रम की संयोजक डॉ. मंजू मेहता ने बताया कि इस आरंभिक प्रशिक्षण कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के 21 नवनियुक्त शिक्षक शामिल हैं। इस प्रशिक्षण के माध्यम से सभी प्रतिभागियों को विश्वविद्यालय की सभी गतिविधियों, नियमों, कानून, एक्ट एंड स्टेट्यूट्स, विश्वविद्यालय प्रशासन के संगठनात्मक ढांचे, महाविद्यालयों के संगठनात्मक ढांचे व गतिविधियों के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी जाएगी। कोरोना महामारी के चलते प्रतिदिन प्रशिक्षण शुरू होने से पहले प्रशिक्षण हॉल को सेनेटाइज करवाया जाता है और उसके बाद सामाजिक दूरी व मास्क का विशेष ध्यान रखा जाता है।

अलग-अलग क्षेत्रों के विशेषज्ञ देते हैं व्याख्यान

सहायक निदेशक डॉ. जितेंद्र भाटिया ने बताया कि प्रशिक्षणार्थियों को प्रतिदिन अलग-अलग क्षेत्रों के विशेषज्ञ व्याख्यान देते हैं, जिनमें विश्वविद्यालय के व बाहर के विशेषज्ञ भी शामिल हैं। विश्वविद्यालय के एसवीसी श्याम सुंदर शर्मा ने विश्वविद्यालय के एक्ट एंड स्टेट्यूट्स व यात्रा भत्ता नियमों के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के नियमों व कायदे कानूनों के बारे में प्रत्येक कर्मचारी को जानकारी होनी चाहिए, जो पूरे सेवाकाल में काम आती है।

प्रतिदिन विश्वविद्यालय के एक संस्थान का करवाया जाता है भ्रमण

विश्वविद्यालय में स्थापित विभिन्न कॉलेजों सहित अन्य संस्थानों में प्रशिक्षणार्थियों को प्रतिदिन किसी एक संस्थान का भ्रमण करवाया जाता है। इस दौरान यहां के संगठनात्मक ढांचे व गतिविधियों की जानकारी दी जाती है ताकि नवनियुक्त शिक्षक विश्वविद्यालय की प्रत्येक गतिविधि जो उनके सेवाकाल में काम आएगी, उससे अवगत हो सकें।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम....पल पल....
दिनांक 11-9-2020 पृष्ठ संख्या.... — ....कॉलम.... — ....

शिक्षक वर्ग के लिए प्रासंगिक है आरंभिक प्रशिक्षण : डॉ. सिद्धपुरिया

पल पल न्यूज: हिसार, 11 सितम्बर। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में नवनियुक्त अनुसंधान, शिक्षण व विस्तार के शिक्षकों एवं वैज्ञानिकों के लिए आरंभिक प्रशिक्षण शुरू किया गया। प्रशिक्षण का आयोजन नवनियुक्त वैज्ञानिकों को विश्वविद्यालय के ढांचे व गतिविधियों की जानकारी देने को लेकर किया जा रहा है। प्रशिक्षणार्थियों को संबोधित करते हुए मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय के निदेशक डॉ. एम.एस. सिद्धपुरिया ने कहा कि यह प्रशिक्षण कार्यक्रम शिक्षक समुदाय के लिए बहुत ही प्रासंगिक है और उम्मीद है कि सभी प्रतिभागी इस कोर्स से अधिक से अधिक लाभ उठाएंगे। उन्होंने प्रतिभागियों को निदेशालय के संगठनात्मक सेटअप से परिचित कराया और इसके चार प्रकोष्ठों में से प्रत्येक के कार्यों के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होंने सभी प्रतिभागियों से सफलतापूर्वक, पूरी लगन और मेहनत से इस रिफ्रेशर कोर्स को पूरा करने का आह्वान किया। मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय की संयुक्त निदेशक व कार्यक्रम की संयोजक डॉ. मंजू मेहता ने बताया कि इस आरंभिक प्रशिक्षण कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के 21 नवनियुक्त शिक्षक शामिल हैं। इस प्रशिक्षण के माध्यम से सभी प्रतिभागियों को विश्वविद्यालय की सभी गतिविधियों, नियमों, कानून, एक्ट एंड स्टेट्यूट्स, विश्वविद्यालय प्रशासन के संगठनात्मक ढांचे, महाविद्यालयों के संगठनात्मक ढांचे व गतिविधियों के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी जाएगी। कोरोना महामारी के चलते प्रतिदिन प्रशिक्षण शुरू होने से पहले प्रशिक्षण हॉल को सेनेटाइज करवाया जाता है और उसके बाद सामाजिक दूरी व मास्क का विशेष ध्यान रखा जाता है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम...........हिसार टुडे...........

दिनांक 11.9.2020 पृष्ठ संख्या ....—.... कॉलम ....—....

शिक्षक वर्ग के लिए प्रासंगिक है आरंभिक प्रशिक्षण : डॉ. एम.एस. सिद्धपुरिया

एचएयू में नवनियुक्त वैज्ञानिकों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

टुडे न्यूज | हिसार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में नवनियुक्त अनुसंधान, शिक्षण व विस्तार के शिक्षकों एव वैज्ञानिकों के लिए आरंभिक प्रशिक्षण शुरू किया गया। प्रशिक्षण का आयोजन नवनियुक्त वैज्ञानिकों को विश्वविद्यालय के ढांचे व गतिविधियों की जानकारी देने को लेकर किया जा रहा है।

प्रशिक्षणार्थियों को संबोधित करते हुए मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय के निदेशक डॉ. एम.एस. सिद्धपुरिया ने कहा कि यह प्रशिक्षण कार्यक्रम शिक्षक समुदाय के लिए बहुत ही प्रासंगिक है और उम्मीद है कि सभी प्रतिभागी इस कोर्स से अधिक से अधिक लाभ उठाएंगे। उन्होंने प्रतिभागियों को निदेशालय के संगठनात्मक सेट-अप से परिचित कराया और इसके चार प्रकोष्ठों में से प्रत्येक के कार्यों के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होंने सभी प्रतिभागियों से सफलतापूर्वक, पूरी लगन और मेहनत से इस रिफ्रेशर कोर्स को पूरा करने का आह्वान किया। मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय की संयुक्त निदेशक व कार्यक्रम की संयोजक डॉ. मंजू मेहता ने बताया कि इस आरंभिक प्रशिक्षण कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के 21 नवनियुक्त शिक्षक शामिल हैं। इस प्रशिक्षण के माध्यम से सभी प्रतिभागियों को विश्वविद्यालय की सभी गतिविधियों, नियमों, कानून, एक्ट एंड स्टेट्यूट्स, विश्वविद्यालय प्रशासन के संगठनात्मक ढांचे, महाविद्यालयों के संगठनात्मक ढांचे व गतिविधियों के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी जाएगी। कोरोना महामारी के चलते प्रतिदिन प्रशिक्षण शुरू होने से पहले प्रशिक्षण हॉल को सेनेटाइज करवाया जाता है और उसके बाद सामाजिक दूरी व मास्क का विशेष ध्यान रखा जाता है।

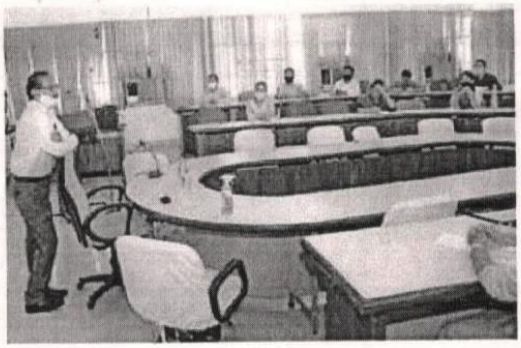

प्रशिक्षणार्थियों को संबोधित करते डॉ. एम.एस. सिद्धपुरिया एवं उपस्थित प्रतिभागी।

अलग-अलग क्षेत्रों के विशेषज्ञ देते हैं व्याख्यान

सहायक निदेशक डॉ. जितेंद्र भाटिया ने बताया कि प्रशिक्षणार्थियों को प्रतिदिन अलग-अलग क्षेत्रों के विशेषज्ञ व्याख्यान देते हैं, जिनमें विश्वविद्यालय के व बाहर के विशेषज्ञ भी शामिल हैं। विश्वविद्यालय के एसवीसी श्याम सुंदर शर्मा ने विश्वविद्यालय के एक्ट एंड स्टेट्यूट्स व यात्रा भत्ता नियमों के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के नियमों व कायदे कानूनों के बारे में प्रत्येक कर्मचारी को जानकारी होनी चाहिए, जो पूरे सेवाकाल में काम आती है।

नवनियुक्त शिक्षकों को होगा फायदा

विश्वविद्यालय में स्थापित विभिन्न कॉलेजों सहित अन्य संस्थानों में प्रशिक्षणार्थियों को प्रतिदिन किसी एक संस्थान का भ्रमण करवाया जाता है। इस दौरान यहां के संगठनात्मक ढांचे व गतिविधियों की जानकारी दी जाती है ताकि नवनियुक्त शिक्षक विश्वविद्यालय की प्रत्येक गतिविधि जो उनके सेवाकाल में काम आएगी, उससे अवगत हो सकें।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम........नभ छोर........

दिनांक 11.9.2020....पृष्ठ संख्या.....—.....कॉलम.....—.....

हकृवि में नवनियुक्त शिक्षकों को प्रशिक्षण आरंभ

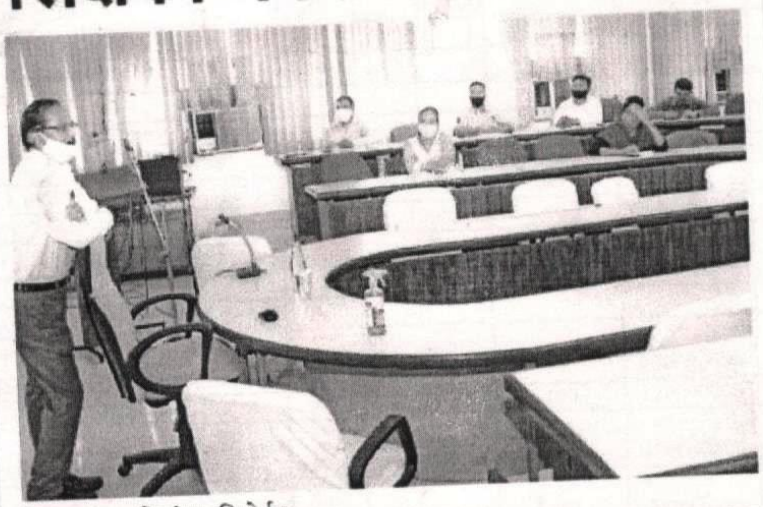

हिसार/11 सितंबर/रिपोर्टर

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के ढांचे व गतिविधियों की जानकारी देने को लेकर में नवनियुक्त अनुसंधान, शिक्षण व विस्तार के शिक्षकों एव वैज्ञानिकों के लिए आरंभिक प्रशिक्षण शुरू किया गया। मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय के निदेशक डॉ. एमएस सिद्धपुरिया ने कहा कि यह प्रशिक्षण कार्यक्रम शिक्षक समुदाय के लिए बहुत ही प्रासंगिक है और उम्मीद है कि सभी प्रतिभागी इस कोर्स से अधिक से अधिक लाभ उठाएंगे। उन्होंने प्रतिभागियों को निदेशालय के संगठनात्मक सेट.अप से परिचित कराया और इसके चार प्रकोष्ठों में से प्रत्येक के कार्यों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने सभी प्रतिभागियों से सफलतापूर्वक, पूरी लगन और मेहनत से इस रिफ्रेशर कोर्स को पूरा करने का आह्वान किया। कार्यक्रम संयोजक डॉ. मंजू मेहता ने बताया कि इस प्रशिक्षण के माध्यम से सभी प्रतिभागियों को विश्वविद्यालय की सभी गतिविधियों, नियमों, कानून, एक्ट एंड स्टेट्यूट्स, विश्वविद्यालय प्रशासन के संगठनात्मक ढांचे, महाविद्यालयों के संगठनात्मक ढांचे व गतिविधियों के बारे में जानकारी दी जाएगी। व्याख्यान सहायक निदेशक डॉ. जितेंद्र भाटिया ने बताया कि प्रशिक्षणार्थियों को प्रतिदिन अलग.अलग क्षेत्रों के विशेषज्ञ व्याख्यान देते हैं, जिनमें विश्वविद्यालय के व बाहर के विशेषज्ञ भी शामिल हैं। एसवीसी श्याम सुंदर शर्मा ने कहा कि विश्वविद्यालय के नियमों व कायदे कानूनों के बारे में प्रत्येक कर्मचारी को जानकारी होनी चाहिए, जो पूरे सेवाकाल में काम आती है। विश्वविद्यालय में स्थापित विभिन्न कॉलेजों सहित अन्य संस्थानों में प्रशिक्षणार्थियों को प्रतिदिन किसी एक संस्थान का भ्रमण करवाया जाता है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....पाठकपक्ष.....

दिनांक 12.9.2020.....पृष्ठ संख्या.....—.....कॉलम.....—.....

शिक्षक वर्ग के लिए प्रासंगिक है आरंभिक प्रशिक्षण : डॉ. एम.एस. सिद्धपुरिया

पाठकपक्ष न्यूज

हिसार, 12 सितम्बर : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में नवनियुक्त अनुसंधान, शिक्षण व विस्तार के शिक्षकों एव बैज्ञानिकों के लिए आरंभिक प्रशिक्षण शुरू किया गया। प्रशिक्षण का आयोजन नवनियुक्त वैज्ञानिकों को विश्वविद्यालय के ढांचे व गतिविधियों की जानकारी देने को लेकर किया जा रहा है। प्रशिक्षणार्थियों को संबोधित करते हुए मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय के निदेशक डॉ. एम.एस. सिद्धपुरिया ने कहा कि यह प्रशिक्षण कार्यक्रम शिक्षक समुदाय के लिए बहुत ही प्रासंगिक है और उम्मीद है कि सभी प्रतिभागी इस कोर्स से अधिक से अधिक लाभ उठाएंगे। उन्होंने प्रतिभागियों को निदेशालय के संगठनात्मक सेट-अप से परिचित कराया और इसके चार

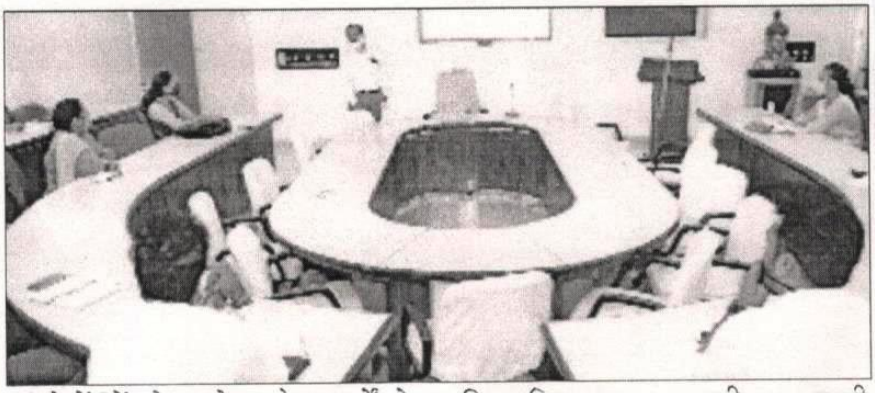

प्रकोष्ठों में से प्रत्येक के कार्यों के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होंने सभी प्रतिभागियों से सफलतापूर्वक, पूरी लगन और मेहनत से इस रिफ्रेशर कोर्स को पूरा करने का आहवान किया। मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय की संयुक्त निदेशक व कार्यक्रम की संयोजक डॉ. मंजू मेहता ने बताया कि इस आरंभिक प्रशिक्षण कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के 21 नवनियुक्त शिक्षक शामिल हैं। इस प्रशिक्षण के माध्यम से सभी प्रतिभागियों को विश्वविद्यालय की सभी गतिविधियों, नियमों, कानून, एक्ट एंड स्टेट्यूट्स, विश्वविद्यालय प्रशासन के संगठनात्मक ढांचे, महाविद्यालयों के संगठनात्मक ढांचे व गतिविधियों के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी जाएगी। कोरोना महामारी के चलते प्रतिदिन प्रशिक्षण शुरू होने से पहले प्रशिक्षण हॉल को सेनेटाइज करवाया जाता है और उसके बाद सामाजिक दूरी व मास्क का विशेष ध्यान रखा जाता है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम..........हिसार टुडे..........

दिनांक 12.9.2020.......पृष्ठ संख्या.......—.......कॉलम.......—.......

शिक्षक वर्ग के लिए प्रासंगिक है आरंभिक प्रशिक्षण : डॉ. एम.एस. सिद्धपुरिया

एचएयू में नवनियुक्त वैज्ञानिकों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

टुडे न्यूज़ | हिसार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में नवनियुक्त अनुसंधान, शिक्षण व विस्तार के शिक्षकों एवं वैज्ञानिकों के लिए आरंभिक प्रशिक्षण शुरू किया गया। प्रशिक्षण का आयोजन नवनियुक्त वैज्ञानिकों को विश्वविद्यालय के ढांचे व गतिविधियों की जानकारी देने को लेकर किया जा रहा है।

प्रशिक्षणार्थियों को संबोधित करते हुए मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय के निदेशक डॉ. एम.एस. सिद्धपुरिया ने कहा कि यह प्रशिक्षण कार्यक्रम शिक्षक समुदाय के लिए बहुत ही प्रासंगिक है और उम्मीद है कि सभी प्रतिभागी इस कोर्स से अधिक से अधिक लाभ उठाएंगे। उन्होंने प्रतिभागियों को निदेशालय के संगठनात्मक सेट-अप से परिचित कराया और इसके चार प्रकोष्ठों में से प्रत्येक के कार्यों के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होंने सभी प्रतिभागियों से सफलतापूर्वक, पूरी लगन और मेहनत से इस रिफ्रेशर कोर्स को पूरा करने का आह्वान किया। मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय की संयुक्त निदेशक व कार्यक्रम की संयोजक डॉ. मंजू मेहता ने बताया कि इस आरंभिक प्रशिक्षण कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के 21 नवनियुक्त शिक्षक शामिल हैं। इस प्रशिक्षण के माध्यम से सभी प्रतिभागियों को विश्वविद्यालय की सभी गतिविधियों, नियमों, कानून, एक्ट एंड स्टेट्यूट्स, विश्वविद्यालय प्रशासन के संगठनात्मक ढांचे, महाविद्यालयों के संगठनात्मक ढांचे व गतिविधियों के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी जाएगी। कोरोना महामारी के चलते प्रतिदिन प्रशिक्षण शुरू होने से पहले प्रशिक्षण हॉल को सेनेटाइज करवाया जाता है और उसके बाद सामाजिक दूरी व मास्क का विशेष ध्यान रखा जाता है।

प्रशिक्षणार्थियों को संबोधित करते डॉ. एम.एस. सिद्धपुरिया एवं उपस्थित प्रतिभागी।

अलग-अलग क्षेत्रों के विशेषज्ञ देते हैं व्याख्यान

सहायक निदेशक डॉ. जितेंद्र भाटिया ने बताया कि प्रशिक्षणार्थियों को प्रतिदिन अलग-अलग क्षेत्रों के विशेषज्ञ व्याख्यान देते हैं, जिनमें विश्वविद्यालय के व बाहर के विशेषज्ञ भी शामिल हैं। विश्वविद्यालय के एसवीसी श्याम सुंदर शर्मा ने विश्वविद्यालय के एक्ट एंड स्टेट्यूट्स व यात्रा भत्ता नियमों के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के नियमों व कायदे कानूनों के बारे में प्रत्येक कर्मचारी को जानकारी होनी चाहिए, जो पूरे सेवाकाल में काम आती है।

नवनियुक्त शिक्षकों को होगा फायदा

विश्वविद्यालय में स्थापित विभिन्न कॉलेजों सहित अन्य संस्थानों में प्रशिक्षणार्थियों को प्रतिदिन किसी एक संस्थान का भ्रमण करवाया जाता है। इस दौरान वहां के संगठनात्मक ढांचे व गतिविधियों की जानकारी दी जाती है ताकि नवनियुक्त शिक्षक विश्वविद्यालय की प्रत्येक गतिविधि जो उनके सेवाकाल में काम आएगी, उससे अवगत हो सकें।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम........जग मार्ग........

दिनांक 12.9.2020 पृष्ठ संख्या.....—.....कॉलम.....—.....

शिक्षक वर्ग के लिए प्रासंगिक आरंभिक प्रशिक्षण : डॉ. सिद्धपुरिया

➪ हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में नवनियुक्त वैज्ञानिकों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

जगमार्ग न्यूज

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में नवनियुक्त अनुसंधान, शिक्षण व विस्तार के शिक्षकों एव वैज्ञानिकों के लिए आरंभिक प्रशिक्षण शुरू किया गया। प्रशिक्षण का आयोजन नवनियुक्त वैज्ञानिकों को विश्वविद्यालय के ढांचे व गतिविधियों की जानकारी देने को लेकर किया जा रहा है। प्रशिक्षणार्थियों को संबोधित करते हुए मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय के निदेशक डॉ. एम.एस. सिद्धपुरिया ने कहा कि यह प्रशिक्षण कार्यक्रम शिक्षक समुदाय के लिए बहुत ही प्रासंगिक है और उम्मीद है कि सभी प्रतिभागी इस कोर्स से अधिक से अधिक लाभ उठाएंगे। उन्होंने प्रतिभागियों को निदेशालय के संगठनात्मक सेट-अप से परिचित कराया और इसके चार प्रकोष्ठों में से प्रत्येक के कार्यों के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होंने सभी प्रतिभागियों से सफलतापूर्वक, पूरी लगन और मेहनत से इस रिफ्रेशर कोर्स को पूरा करने का आह्वान किया। मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय की संयुक्त निदेशक व कार्यक्रम की संयोजक डॉ. मंजू मेहता ने बताया कि इस आरंभिक प्रशिक्षण कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के 21 नवनियुक्त शिक्षक शामिल हैं। इस प्रशिक्षण के माध्यम से सभी प्रतिभागियों को विश्वविद्यालय की सभी गतिविधियों, नियमों, कानून, एक्ट एंड स्टेट्यूट्स, विश्वविद्यालय प्रशासन के संगठनात्मक ढांचे, महाविद्यालयों के संगठनात्मक ढांचे व गतिविधियों के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी जाएगी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....सिटी पल्स.....

दिनांक 12.9.2020.....पृष्ठ संख्या.....—.....कॉलम.....—.....

एचएयू में 543 परीक्षार्थियों ने दी स्नातकोत्तर के लिए प्रवेश परीक्षा

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय प्रशासन ने शनिवार को बेसिक साइंस की पी.एच.डी. में दाखिले के लिए प्रवेश परीक्षा का तीसरा चरण आयोजित किया। प्रवेश परीक्षा में 543 परीक्षार्थी शामिल हुए, जबकि 337 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से परीक्षाओं को चार चरणों में आयोजित किया जाना है, जिसका तीसरा चरण 12 सितंबर को आयोजित किया गया। कुलसचिव डॉ. बी.आर. कंबोज ने बताया कि स्नातकोत्तर कार्यक्रमों में प्रवेश के लिए परीक्षा का आयोजन कोरोना महामारी के चलते केंद्र व राज्य सरकार द्वारा जारी हिदायतों का पालन करते हुए किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि सभी परीक्षा केंद्रों को परीक्षा से पहले सेनेटाइज कराया गया था और सामाजिक दूरी व मास्क का भी विशेष ध्यान रखा गया है।

हिसार। परीक्षा केंद्रों के बाहर परीक्षार्थियों को थर्मल स्क्रीनिंग करते और हाथ सैनेटाइज करवाते कर्मचारी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम....पाँच बजे....

दिनांक 12.9.2020 पृष्ठ संख्या....—....कॉलम....—....

स्नातकोत्तर व पी.एच.डी. प्रोग्रामों में दाखिले के लिए प्रवेश परीक्षा का अंतिम चरण 16 को

एचएयू में 543 परीक्षार्थियों ने दी स्नातकोत्तर के लिए प्रवेश परीक्षा, 337 रहे अनुपस्थित

पांच बजे न्यूज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय प्रशासन ने शनिवार को बेसिक साइंस की पी.एच.डी. में दाखिले के लिए प्रवेश परीक्षा का तीसरा चरण आयोजित किया। प्रवेश परीक्षा में 543 परीक्षार्थी शामिल हुए, जबकि 337 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से परीक्षाओं को चार चरणों में आयोजित किया जाना है, जिसका तीसरा चरण 12 सितंबर को आयोजित किया गया। यह जानकारी देते हुए विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. बी.आर. कंबोज ने बताया कि स्नातकोत्तर कार्यक्रमों में प्रवेश के लिए परीक्षा का आयोजन कोरोना महामारी के चलते केंद्र व राज्य सरकार द्वारा जारी हिदायतों का पालन करते हुए किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि सभी परीक्षा केंद्रों को परीक्षा से पहले सेनेटाइज कराया गया था और सामाजिक दूरी व मास्क का भी विशेष ध्यान रखा गया है। परीक्षा सुबह 10 बजकर 30 मिनट से दोपहर 12 बजकर 30 मिनट तक आयोजित की गई।

परीक्षाओं पर पड़ रहा कोरोना का असर, विद्यार्थियों की संख्या रही कम

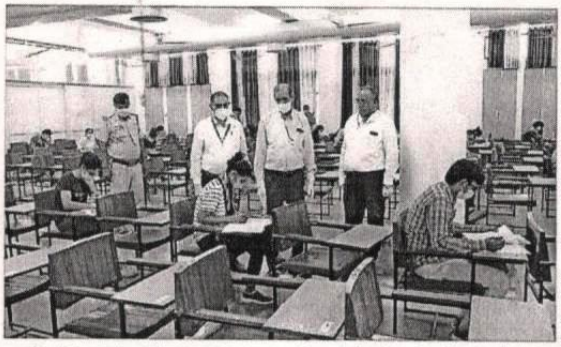

परीक्षा नियंत्रक डॉ. एस.के. पाहुजा ने बताया कि कोरोना महामारी के चलते इसका सीधा असर परीक्षार्थियों की संख्या पर भी पड़ रहा है। इन परीक्षाओं के लिए कुल 3448 ने विद्यार्थियों ने ऑनलाइन आवेदन किया था, जिनमें स्नातकोत्तर व पी.एच.डी. के कोर्स शामिल हैं। परीक्षा के तीसरे चरण में बेसिक साइंस की पी.एच.डी. के लिए आयोजित प्रवेश परीक्षा में 880 उम्मीदवारों को शामिल होना था, जबकि 543 उम्मीदवार ही शामिल हो पाए। केंद्र व राज्य सरकार की जारी हिदायतों को ध्यान में रखते हुए इन परीक्षाओं को आयोजित करवाने के लिए चार परीक्षा केंद्र बनाए गए थे, जिनमें कृषि महाविद्यालय, कृषि अभियांत्रिकी एवं तकनीकी महाविद्यालय, इंदिरा चक्रवर्ती गृह विज्ञान महाविद्यालय और मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय शामिल हैं। इन चार केंद्रों पर 41 कमरे जिनमें हॉल भी शामिल हैं, निर्धारित किए गए थे ताकि सामाजिक दूरी व सेनेटाइजेशन की पूरी तरह से पालना की जा सके।

सामाजिक दूरी, सेनेटाइजेशन व मास्क का विशेष ध्यान

इन परीक्षाओं को शांतिपूर्वक ढंग से संपन्न करवाने व सभी हिदायतों की पालना करते हुए विश्वविद्यालय की ओर से शिक्षक व गैर शिक्षक कर्मचारियों की ड्यूटियां लगाई गईं। परीक्षा केंद्र में प्रवेश से पूर्व परीक्षार्थियों को नए मास्क उपलब्ध करवाए गए। कोरोना महामारी को देखते हुए परीक्षा भवन में जाने से पूर्व प्रत्येक उम्मीदवार की थर्मल स्कैनिंग करते हुए उनके हाथ सेनेटाइज करवाए गए। सामाजिक दूरी का विशेष ध्यान रखते हुए परीक्षा केंद्र के बाहर भीड़ एकत्रित नहीं होने दी गई। परीक्षा केंद्र के अंदर पेन व एडमिट कार्ड के अलावा अन्य किसी प्रकार की धातु आदि वस्तुओं को ले जाने की मनाही की गई। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह व कुलसचिव डॉ. बी.आर. कंबोज सहित अन्य प्रशासनिक अधिकारियों ने परीक्षा केंद्रों का दौरा करते हुए चल रही परीक्षाओं का जायजा लिया और ड्यूटी कर्मचारियों को शांतिपूर्वक परीक्षा करवाने की अपील की।

परीक्षाओं का अंतिम चरण 16 सितम्बर को

स्नातकोत्तर अधिष्ठाता प्रोफेसर आशा क्वात्रा ने बताया कि विश्वविद्यालय की ओर से जारी परीक्षा की तिथियों अनुसार 6 सितम्बर, 9 सितम्बर व 12 सितम्बर को तीन चरणों में परीक्षाएं संपन्न हो चुकी हैं। स्नातकोत्तर व पी.एच.डी. की परीक्षाओं का अंतिम चरण 16 सितम्बर को होगा। उन्होंने उम्मीदवारों व उनके अभिभावकों से अपील की है कि वे स्नातक व स्नातकोत्तर कार्यक्रमों में दाखिला संबंधी अन्य नवीनतम जानकारियों के लिए विश्वविद्यालय की वेबसाइट admissions.hau.ac.in and hau.ac.in पर चेक करते रहें।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम....जग मार्ग....

दिनांक 12-9-2020....पृष्ठ संख्या....—....कॉलम....—....

एग्जाम स्नातकोत्तर व पीएचडी प्रोग्रामों में दाखिले के लिए प्रवेश परीक्षा 16 को

543 परीक्षार्थियों ने दी स्नातकोत्तर के लिए प्रवेश परीक्षा

जगमार्ग न्यूज

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय प्रशासन ने शनिवार को बेसिक साइंस की पी.एच.डी. में दाखिले के लिए प्रवेश परीक्षा का तीसरा चरण आयोजित किया। प्रवेश परीक्षा में 543 परीक्षार्थी शामिल हुए, जबकि 337 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से परीक्षाओं को चार चरणों में आयोजित किया जाना है, जिसका तीसरा चरण 12 सितंबर को आयोजित किया गया।

हरियाणा कृषि विवि में हुई प्रवेश परीक्षा के दौरान विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. समर सिंह परीक्षा केंद्रों का जायजा लेते हुए व परीक्षा में बैठे परीक्षार्थी।

कुलसचिव डॉ. बी.आर. कंबोज ने बताया कि स्नातकोत्तर कार्यक्रमों में प्रवेश के लिए परीक्षा का आयोजन कोरोना महामारी के चलते केंद्र व राज्य सरकार द्वारा जारी हिदायतों का पालन करते हुए किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि सभी परीक्षा केंद्रों को परीक्षा से पहले सेनेटाइज कराया गया था और सामाजिक दूरी व मास्क का भी विशेष ध्यान रखा गया है।

परीक्षा सुबह 10 बजकर 30 मिनट से दोपहर 12 बजकर 30 मिनट तक आयोजित की गई। परीक्षाओं पर पड़ रहा कोरोना का असर, विद्यार्थियों की संख्या रही कम परीक्षा नियंत्रक डॉ. एस.के. पाहुजा ने बताया कि कोरोना महामारी के चलते इसका सीधा असर परीक्षार्थियों की संख्या पर भी पड़ रहा है। इन परीक्षाओं के लिए कुल 3448 ने विद्यार्थियों ने ऑनलाइन आवेदन किया था, जिनमें स्नातकोत्तर व पी.एच.डी. के कोर्स शामिल हैं। परीक्षा के तीसरे चरण में बेसिक साइंस की पी.एच.डी. के लिए आयोजित प्रवेश परीक्षा में 880 उम्मीदवारों को शामिल होना था, जबकि 543 उम्मीदवार ही शामिल हो पाए। केंद्र व राज्य सरकार की जारी हिदायतों को ध्यान में रखते हुए इन परीक्षाओं को आयोजित करवाने के लिए चार परीक्षा केंद्र बनाए गए थे, जिनमें कृषि महाविद्यालय, कृषि अभियांत्रिकी एवं तकनीकी महाविद्यालय, इंदिरा चक्रवर्ती गृह विज्ञान महाविद्यालय और मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय शामिल हैं।

इन चार केंद्रों पर 41 कमरे जिनमें हॉल भी शामिल हैं, निर्धारित किए गए थे ताकि सामाजिक दूरी व सेनेटाइजेशन की पूरी तरह से पालना की जा सके। स्नातकोत्तर व पी.एच.डी. की परीक्षाओं का अंतिम चरण 16 सितम्बर को होगा।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....नित्य शक्ति टाइम्स.....

दिनांक 13.9.2020.....पृष्ठ संख्या.....—.....कॉलम.....—.....

एचएयू में 543 परीक्षार्थियों ने दी स्नातकोत्तर के लिए प्रवेश परीक्षा

स्नातकोत्तर व पीएचडी प्रोग्रामों में दाखिले के लिए प्रवेश परीक्षा का अंतिम चरण 16 को

नित्य शक्ति टाइम्स न्यूज

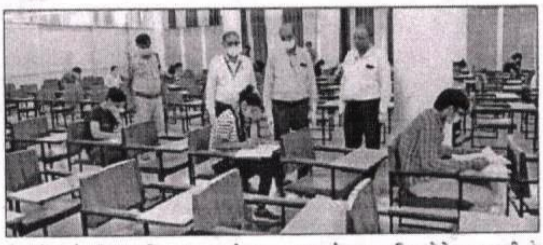

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय प्रशासन ने शनिवार को बेसिक साइंस की पी.एच.डी. में दाखिले के लिए प्रवेश परीक्षा का तीसरा चरण आयोजित किया। प्रवेश परीक्षा में 543 परीक्षार्थी शामिल हुए, जबकि 337 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से परीक्षाओं को चार चरणों में आयोजित किया जाना है, जिसका तीसरा चरण 12 सितंबर को आयोजित किया गया। यह जानकारी देते हुए विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. बी.आर. कंबोज ने बताया कि स्नातकोत्तर कार्यक्रमों में प्रवेश के लिए परीक्षा का आयोजन कोरोना महामारी के चलते केंद्र व राज्य सरकार द्वारा जारी हिदायतों का पालन करते हुए किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि सभी परीक्षा केंद्रों को परीक्षा से पहले सेनेटाइज कराया गया था और सामाजिक दूरी व मास्क का भी विशेष ध्यान रखा गया है। परीक्षा सुबह 10 बजकर 30 मिनट से दोपहर 12 बजकर 30 मिनट तक आयोजित की गई।

परीक्षाओं पर पड़ रहा कोरोना का असर, विद्यार्थियों की संख्या रही कम : परीक्षा नियंत्रक डॉ. एस.के. पाहुजा ने बताया कि कोरोना महामारी के चलते इसका सीधा असर परीक्षार्थियों की संख्या पर भी पड़ रहा है। इन परीक्षाओं के लिए कुल 3448 ने विद्यार्थियों ने ऑनलाइन आवेदन किया था, जिनमें स्नातकोत्तर व पी.एच.डी. के कोर्स शामिल हैं। परीक्षा के तीसरे चरण में बेसिक साइंस की पी.एच.डी. के लिए आयोजित प्रवेश परीक्षा में 880 उम्मीदवारों को शामिल होना था, जबकि 543 उम्मीदवार ही शामिल हो पाए। केंद्र व राज्य सरकार की जारी हिदायतों को ध्यान में रखते हुए इन परीक्षाओं को आयोजित करवाने के लिए चार परीक्षा केंद्र बनाए गए थे, जिनमें कृषि महाविद्यालय, कृषि अभियांत्रिकी एवं तकनीकी महाविद्यालय, इंदिरा चक्रवर्ती गृह विज्ञान महाविद्यालय और मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय शामिल हैं। इन चार केंद्रों पर 41 कमरे जिनमें हॉल भी शामिल हैं, निर्धारित किए गए थे ताकि सामाजिक दूरी व सेनेटाइजेशन की पूरी तरह से पालना की जा सके।

सामाजिक दूरी, सेनेटाइजेशन व मास्क का विशेष ध्यान

इन परीक्षाओं को शांतिपूर्वक ढंग से संपन्न करवाने व सभी हिदायतों की पालना करते हुए विश्वविद्यालय की ओर से शिक्षक व गैर शिक्षक कर्मचारियों की ड्यूटियां लगाई गईं। परीक्षा केंद्र में प्रवेश से पूर्व परीक्षार्थियों को नए मास्क उपलबध करवाए गए। कोरोना महामारी को देखते हुए परीक्षा भवन में जाने से पूर्व प्रत्येक उम्मीदवार की थर्मल स्कैनिंग करते हुए उनके हाथ सेनेटाइज करवाए गए। सामाजिक दूरी का विशेष ध्यान रखते हुए परीक्षा केन्द्र के बाहर भीड़ एकत्रित नहीं होने दी गई। परीक्षा केंद्र के अंदर पेन व एडमिट कार्ड के अलावा अन्य किसी प्रकार की धातु आदि वस्तुओं को ले जाने की मनाही की गई। विश्वविालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह व कुलसचिव डॉ. बी.आर. कंबोज सहित अन्य प्रशासनिक अधिकारियों ने परीक्षा केंद्रों का दौरा करते हुए चल रही परीक्षाओं का जायजा लिया और ड्यूटी कर्मचारियों को शांतिपूर्वक परीक्षा करवाने की अपील की।

परीक्षाओं का अंतिम चरण 16 सितम्बर को : स्नातकोत्तर अधिष्ठाता प्रोफेसर आशा छाब्रा ने बताया कि विश्वविद्यालय की ओर से जारी परीक्षा की तिथियों अनुसार 6 सितम्बर, 9 सितम्बर व 12 सितम्बर को तीन चरणों में परीक्षाएं संपन्न हो चुकी हैं। स्नातकोत्तर व पी.एच.डी. की परीक्षाओं का अंतिम चरण 16 सितम्बर को होगा।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....सच कहूँ.....

दिनांक 13.9.2020.....पृष्ठ संख्या.....—.....कॉलम.....—.....

एचएयू स्नातकोत्तर व पी.एच.डी. प्रोग्रामों में दाखिले के लिए प्रवेश परीक्षा का अंतिम चरण 16 को

543 परीक्षार्थियों ने दी स्नातकोत्तर के लिए प्रवेश परीक्षा

सच कहूँ/संदीप सिंहमार

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय प्रशासन ने शनिवार को बेसिक साईंस की पी.एच.डी. में दाखिले के लिए प्रवेश परीक्षा का तीसरा चरण आयोजित किया। प्रवेश परीक्षा में 543 परीक्षार्थी शामिल हुए, जबकि 337 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से परीक्षाओं को चार चरणों में आयोजित किया जाना है, जिसका तीसरा चरण 12 सितंबर को आयोजित किया गया। यह जानकारी देते हुए विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. बी.आर. कंबोज ने बताया कि स्नातकोत्तर कार्यक्रमों में प्रवेश के लिए परीक्षा का आयोजन कोरोना महामारी के चलते केंद्र व राज्य सरकार द्वारा जारी हिदायतों का पालन करते हुए किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि सभी परीक्षा केंद्रों को परीक्षा से पहले सेनेटाइज कराया गया था और सामाजिक दूरी व मास्क

का भी विशेष ध्यान रखा गया है। परीक्षा सुबह 10 बजकर 30 मिनट से दोपहर 12 बजकर 30 मिनट तक आयोजित की गई।

परीक्षाओं पर पड़ रहा कोरोना का असर, विद्यार्थियों की संख्या रही कम

परीक्षा नियंत्रक डॉ. एस.के. पाहुजा ने बताया कि कोरोना महामारी के चलते इसका सीधा असर परीक्षार्थियों की संख्या पर भी पड़ रहा है। इन परीक्षाओं के लिए कुल 3448 ने विद्यार्थियों ने ऑनलाइन आवेदन किया था, जिनमें स्नातकोत्तर व पी.एच.डी. के कोर्स शामिल हैं। परीक्षा के तीसरे चरण में बेसिक साइंस की पी.एच.डी. के लिए आयोजित प्रवेश परीक्षा में 880 उम्मीदवारों को शामिल होना था, जबकि 543 उम्मीदवार ही शामिल हो पाए। केंद्र व राज्य सरकार की जारी हिदायतों को ध्यान में रखते हुए इन परीक्षाओं को आयोजित करवाने के लिए चार परीक्षा केंद्र बनाए गए थे, जिनमें कृषि महाविद्यालय, कृषि अभियांत्रिकी एवं तकनीकी महाविद्यालय, इंदिरा चक्रवर्ती गृह विज्ञान महाविद्यालय और मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय शामिल हैं। इन चार केंद्रों पर 41 कमरे जिनमें हॉल भी शामिल हैं, निर्धारित किए गए थे ताकि सामाजिक दूरी व सेनेटाइजेशन की पूरी तरह से पालना की जा सके।

सामाजिक दूरी, सेनेटाइजेशन व मास्क का विशेष ध्यान

इन परीक्षाओं को शांतिपूर्वक ढंग से संपन्न करवाने व सभी हिदायतों की पालना करते हुए विश्वविद्यालय की ओर से शिक्षक व गैर शिक्षक कर्मचारियों की ड्यूटियां लगाई गईं। परीक्षा केंद्र में प्रवेश से पूर्व परीक्षार्थियों को नए मास्क उपलब्ध करवाए गए। कोरोना महामारी को देखते हुए परीक्षा भवन में जाने से पूर्व प्रत्येक उम्मीदवार की थर्मल स्कैनिंग करते हुए उनके हाथ सेनेटाइज करवाए गए। सामाजिक दूरी का विशेष ध्यान रखते हुए परीक्षा केंद्र के बाहर भीड़ एकत्रित नहीं होने दी गई। परीक्षा केंद्र के अंदर पेन व एडमिट कार्ड के अलावा अन्य किसी प्रकार की धातु आदि वस्तुओं को ले जाने की मनाही की गई। विश्वविालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह व कुलसचिव डॉ. बी.आर. कंबोज सहित अन्य प्रशासनिक अधिकारियों ने परीक्षा केंद्रों का दौरा करते हुए चल रही परीक्षाओं का जायजा लिया और ड्यूटी कर्मचारियों को शांतिपूर्वक परीक्षा करवाने की अपील की।

परीक्षाओं का अंतिम चरण 16 सितम्बर को

स्नातकोत्तर अधिष्ठाता प्रोफेसर आशा कात्रा ने बताया कि विश्वविद्यालय की ओर से जारी परीक्षा की तिथियों अनुसार 6 सितम्बर, 9 सितम्बर व 12 सितम्बर को तीन चरणों में परीक्षाएं संपन्न हो चुकी हैं। स्नातकोत्तर व पी.एच.डी. की परीक्षाओं का अंतिम चरण 16 सितम्बर को होगा। उन्होंने उम्मीदवारों व उनके अभिभावकों से अपील की है कि वे स्नातक व स्नातकोत्तर कार्यक्रमों में दाखिला संबंधी अन्य नवीनतम जानकारियों के लिए विश्वविद्यालय की वेबसाइट **admissions.hau.ac.in and hau.ac.in** पर चेक करते रहें।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....हैलो हिसार.....

दिनांक 13.9.2020 पृष्ठ संख्या.....1.....कॉलम.....3.....

एचएयू में 543 परीक्षार्थियों ने दी स्नातकोत्तर के लिए प्रवेश परीक्षा

हैलो हिसार न्यूज

हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय प्रशासन ने शनिवार को बेसिक साइंस की पी.एच.डी. में दाखिले के लिए प्रवेश परीक्षा का तीसरा चरण आयोजित किया। प्रवेश परीक्षा में 543 परीक्षार्थी शामिल हुए, जबकि 337 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से परीक्षाओं को चार चरणों में आयोजित किया जाना है, जिसका तीसरा चरण 12 सितंबर को आयोजित किया गया। यह जानकारी देते हुए विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. बी.आर. कंबोज ने बताया कि स्नातकोत्तर कार्यक्रमों में प्रवेश के लिए परीक्षा का आयोजन कोरोना महामारी के चलते केंद्र व राज्य सरकार द्वारा जारी हिदायतों का पालन करते हुए किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि सभी परीक्षा केंद्रों को परीक्षा से पहले सेनेटाइज कराया गया था और सामाजिक दूरी व मास्क का भी विशेष ध्यान रखा गया है। परीक्षा सुबह 10 बजकर 30 मिनट से दोपहर 12 बजकर 30 मिनट तक आयोजित की गई।

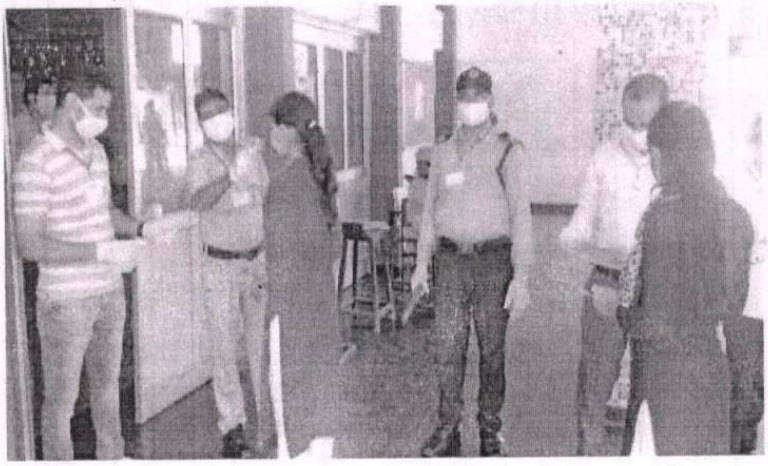

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....नित्य शक्ति टाइम्स.....

दिनांक 13-9-2020.....पृष्ठ संख्या.....—.....कॉलम.....—.....

किसानों की समस्या को ध्यान में रखकर करें अनुसंधान : प्रो. समर सिंह

एचएयू कुलपति ने विश्वविद्यालय के अनुसंधान क्षेत्र का किया दौरा

नित्य शक्ति टाइम्स न्यूज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. समर सिंह ने शनिवार को विश्वविद्यालय के कपास व दलहन अनुभागों का दौरा कर फसल की मौजूदा स्थिति और अनुसंधान कार्यों का जायजा लिया।

गौरतलब है कि वर्तमान में प्रदेश के कई इलाकों में किसानों की नरमा कपास की फसल को नुकसान हुआ है। किसानों की इसी समस्या को ध्यान में रखते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति ने विश्वविद्यालय के कपास अनुभाग में बोई गई कपास की विभिन्न किस्मों की फसल का जायजा लिया और वैज्ञानिकों से

विचार-विमर्श किया। उन्होंने कपास अनुभाग के वैज्ञानिकों से बातचीत करते हुए कहा कि किसान व कृषि वैज्ञानिक एक सिक्के के दो पहलू हैं। हमारे विश्वविद्यालय का मुख्य उद्देश्य किसानों के लिए फसलों की नई-नई किस्में विकसित करना और आधुनिक तकनीकें प्रदान करना है ताकि किसान की पैदावार में निरंतर बढ़ोतरी हो। उन्होंने वैज्ञानिकों द्वारा इस क्षेत्र में किए जा रहे शोध कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि वे किसानों की मौजूदा समस्याओं को ध्यान में रखकर शोध कार्य करें।

सफेद मक्खी के प्रकोप के बावजूद आर्थिक नुकसान नहीं : वैज्ञानिकों ने बताया कि विश्वविद्यालय के कपास अनुभाग में बोई गई नरमा की फसल पर सफेद मक्खी व अन्य बीमारियों का प्रकोप होने के बावजूद फसल में आर्थिक नुकसान नहीं है। यह सब कपास में उचित समय पर बिजाई व समन्वित कृषि प्रबंधन का ही नतीजा है।

किसान भी सिफारिश किए गए रसायनों का ही प्रयोग करें

कुलपति ने कहा कि किसान अपनी फसलों पर विश्वविद्यालय के कृषि वैज्ञानिकों द्वारा सिफारिश किए गए कीटनाशकों का ही प्रयोग करें। किसी के बहकावे में आकर या एक-दूसरे की होड़ करते हुए फसल पर कीटनाशकों का छिड़काव न करें। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह के दौरे के अवसर पर आनुवांशिकी एवं पौध प्रजनन विभाग के अध्यक्ष डॉ. ए.के. छबड़ा सहित संबंधित अनुभागों के वैज्ञानिक मौजूद थे।

विश्वविद्यालय के अनुसंधान फार्म में बोई गई नरमा की फसल में सिफारिश किए गए कीटनाशकों का ही प्रयोग किया गया है। कुलपति ने कपास अनुभाग में सूक्ष्म सिंचाई तकनीक द्वारा बोई गई कपास की किस्मों का भी जायजा लिया और कहा कि इस तकनीक को इस प्रकार से विकसित करें ताकि पानी, खाद व अन्य पोषक तत्व भी पौधे को जरूरत के अनुसार मिल सकें। इससे पानी की बचत व पोषक तत्वों का पौधे द्वारा उचित उपयोग हो सकेगा। अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के. सहरावत ने बताया कि कपास की फसल में जड़ गलन बीमारी का प्रकोप बढ़ रहा है और इसके समाधान के लिए विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक हरसंभव प्रयासरत हैं और उनकी शोध जारी है। जल्द ही सकारात्मक परिणाम आने वाले हैं। इस दौरान दलहन अनुभाग के अनुसंधान क्षेत्र का दौरा कर मूंग, उड़द व अन्य दलहनी फसलों को लेकर चल रहे शोध कार्यों का जायजा लिया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....पाँच बड़े.....

दिनांक 13.9.2020.....पृष्ठ संख्या.....—.....कॉलम.....—.....

किसानों की समस्या को ध्यान में रखकर करें अनुसंधान : प्रोफेसर

एचएयू कुलपति ने किया विश्वविद्यालय के अनुसंधान क्षेत्र का दौरा

पांच बड़े न्यूज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. समर सिंह ने शनिवार को विश्वविद्यालय के कपास व दलहन अनुभागों का दौरा कर फसल की मौजूदा स्थिति और अनुसंधान कार्यों का जायजा लिया। गौरतलब है कि वर्तमान में प्रदेश के कई इलाकों में किसानों की नरमा कपास की फसल को नुकसान हुआ है। किसानों की इसी समस्या को ध्यान में रखते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति ने विश्वविद्यालय के कपास अनुभाग में बोई गई कपास की विभिन्न किस्मों की फसल का जायजा लिया और वैज्ञानिकों से विचार-विमर्श किया। उन्होंने कपास अनुभाग के

वैज्ञानिकों से बातचीत करते हुए कहा कि किसान व कृषि वैज्ञानिक एक सिक्के के दो पहलू हैं। हमारे विश्वविद्यालय का मुख्य उद्देश्य किसानों के लिए फसलों की नई-नई किस्में विकसित करना और आधुनिक तकनीकें प्रदान करना है ताकि किसान की पैदावार में निरंतर बढ़ोतरी हो। उन्होंने वैज्ञानिकों द्वारा इस क्षेत्र में किए जा रहे शोध कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि वे किसानों की मौजूदा समस्याओं को ध्यान में रखकर शोध कार्य करें।

सफेद मक्खी के प्रकोप के बावजूद आर्थिक नुकसान नहीं

वैज्ञानिकों ने बताया कि विश्वविद्यालय के कपास अनुभाग में बोई गई नरमा की फसल पर सफेद मक्खी व अन्य बीमारियों का प्रकोप होने के बावजूद फसल में आर्थिक नुकसान नहीं है। यह सब कपास में उचित समय पर बिजाई व समन्वित कृषि प्रबंधन का ही नतीजा है। विश्वविद्यालय के अनुसंधान फार्म में बोई गई नरमा की फसल में सिफारिश किए गए कीटनाशकों का ही प्रयोग किया गया है। कुलपति ने कपास अनुभाग में सूक्ष्म सिंचाई तकनीक द्वारा बोई गई कपास की किस्मों का भी जायजा लिया और कहा कि इस तकनीक को इस प्रकार से विकसित करें ताकि पानी, खाद व अन्य पोषक तत्व भी पौधे को जरूरत के अनुसार मिल सकें। इससे पानी की बचत व पोषक तत्वों का पौधे द्वारा उचित उपयोग हो सकेगा। अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के. सहरावत ने बताया कि कपास की फसल में जड़ गलन बीमारी का प्रकोप बढ़ रहा है और इसके समाधान के लिए विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक हरसंभव प्रयासरत हैं और उनकी शोध जारी है। जल्द ही सकारात्मक परिणाम आने वाले हैं। इस दौरान दलहन अनुभाग के अनुसंधान क्षेत्र का दौरा कर मूंग, उड़द व अन्य दलहनी फसलों को लेकर चल रहे शोध कार्यों का जायजा लिया। कुलपति ने कहा कि किसान अपनी फसलों पर विश्वविद्यालय के कृषि वैज्ञानिकों द्वारा सिफारिश किए गए कीटनाशकों का ही प्रयोग करें। किसी के बहकावे में आकर या एक-दूसरे की होड़ करते हुए फसल पर कीटनाशकों का छिड़काव न करें। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. समर सिंह के दौरे के अवसर पर अनुवांशिकी एवं पौध प्रजनन विभाग के अध्यक्ष डॉ. एके छाबड़ा सहित संबंधित अनुभागों के वैज्ञानिक मौजूद थे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....पंजाब केसरी दिल्ली.....

दिनांक 13.9.2022....पृष्ठ संख्या.....—.....कॉलम.....—.....

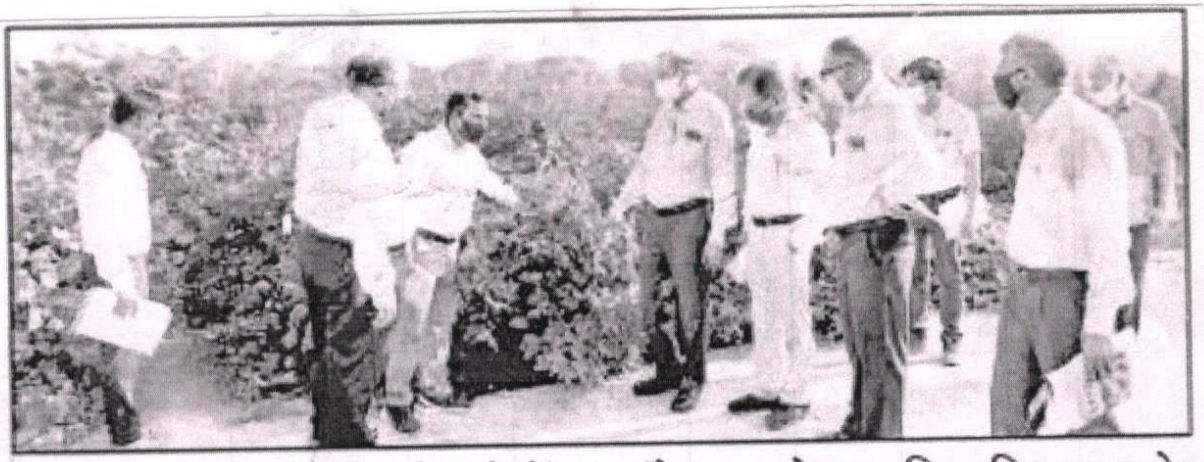

हिसार : नरमा कपास के खेतों का दौरा करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह। (छाया : राज पराशर)

किसानों की समस्या को ध्यान में रखकर करें अनुसंधान : प्रो. समर सिंह

एचएयू कुलपति ने विश्वविद्यालय के अनुसंधान क्षेत्र का किया दौरा

हिसार, 12 सितम्बर (राज पराशर) : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने शनिवार को विश्वविद्यालय के कपास व दलहन अनुभागों का दौरा कर फसल की मौजूदा स्थिति और अनुसंधान कार्यों का जायजा लिया। गौरतलब है कि वर्तमान में प्रदेश के कई इलाकों में किसानों की नरमा कपास की फसल को नुकसान हुआ है। किसानों की इसी समस्या को ध्यान में रखते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति ने विश्वविद्यालय के कपास अनुभाग में बोई गई कपास की विभिन्न किस्मों की फसल का जायजा लिया और वैज्ञानिकों से विचार-विमर्श किया। उन्होंने कहा कि हमारे विश्वविद्यालय का मुख्य उद्देश्य किसानों के लिए फसलों की नई-नई किस्में विकसित करना और आधुनिक तकनीकें प्रदान करना है ताकि

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम..... पल पल .....

दिनांक 12.9.2020 पृष्ठ संख्या..... — .....कॉलम..... — .....

किसानों की समस्या को ध्यान में रखकर करें अनुसंधानः प्रो. समर सिंह

पल पल न्यूजः हिसार, 12 सितम्बर। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने शनिवार को विश्वविद्यालय के कपास व दलहन अनुभागों का दौरा कर फसल की मौजूदा स्थिति और अनुसंधान कार्यों का जायजा लिया। गौरतलब है कि वर्तमान में प्रदेश के कई इलाकों में किसानों की नरमा कपास की फसल को नुकसान हुआ है। किसानों की इसी समस्या को ध्यान में रखते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति ने विश्वविद्यालय के कपास अनुभाग में बोई गई कपास की विभिन्न किस्मों की फसल का जायजा लिया और वैज्ञानिकों से विचार-विमर्श किया। उन्होंने कपास अनुभाग के वैज्ञानिकों से बातचीत करते हुए कहा कि किसान व कृषि वैज्ञानिक एक सिक्के के दो पहलू हैं। हमारे विश्वविद्यालय का मुख्य उद्देश्य किसानों के लिए फसलों की नई-नई किस्में विकसित करना और आधुनिक तकनीकें प्रदान करना है ताकि किसान की पैदावार में निरंतर बढ़ोतरी हो। उन्होंने वैज्ञानिकों द्वारा इस क्षेत्र में किए जा रहे शोध कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि वे किसानों की मौजूदा समस्याओं को ध्यान में रखकर शोध कार्य करें। वैज्ञानिकों ने बताया कि विश्वविद्यालय के कपास अनुभाग में बोई गई नरमा की फसल पर सफेद मक्खी व अन्य बीमारियों का प्रकोप होने के बावजूद फसल में आर्थिक नुकसान नहीं है। यह सब कपास में उचित समय पर बिजाई व समन्वित कृषि प्रबंधन का ही नतीजा है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....हैलो हिसार.....

दिनांक 13.9.2020.....पृष्ठ संख्या.....1.....कॉलम.....2.....

किसानों की समस्या को ध्यान में रखकर करें अनुसंधान : प्रोफेसर समर सिंह

हैलो हिसार न्यूज

हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने शनिवार को विश्वविद्यालय के कपास व दलहन अनुभागों का दौरा कर फसल की मौजूदा स्थिति और अनुसंधान कार्यों का जायजा लिया। गौरतलब है कि वर्तमान में प्रदेश के कई इलाकों में किसानों की नरमा कपास की फसल को नुकसान हुआ है। किसानों की इसी समस्या को ध्यान में रखते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति ने विश्वविद्यालय के कपास अनुभाग में बोई गई कपास की विभिन्न किस्मों की फसल का जायजा लिया और वैज्ञानिकों से विचार-विमर्श किया। उन्होंने कपास अनुभाग के वैज्ञानिकों से बातचीत करते हुए कहा कि किसान व कृषि वैज्ञानिक एक सिक्के के दो पहलू हैं। हमारे विश्वविद्यालय का मुख्य उद्देश्य किसानों के लिए फसलों की नई-नई किस्में विकसित करना और आधुनिक तकनीकें प्रदान करना है ताकि किसान की पैदावार में निरंतर बढ़ोतरी हो। उन्होंने वैज्ञानिकों द्वारा इस क्षेत्र में किए जा रहे शोध कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि वे किसानों की मौजूदा समस्याओं को ध्यान में रखकर शोध कार्य करें। वैज्ञानिकों ने बताया कि विश्वविद्यालय के कपास अनुभाग में बोई गई नरमा की फसल पर सफेद मक्खी व अन्य बीमारियों का प्रकोप होने के बावजूद फसल में आर्थिक नुकसान नहीं है।

एचएयू कुलपति ने विश्वविद्यालय के अनुसंधान क्षेत्र का किया दौरा

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम........सच कहूँ........

दिनांक 13.9.2020...पृष्ठ संख्या........—........कॉलम........—........

चौ. चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति ने कपास व दलहन अनुभागों का लिया जायजा

किसानों की समस्या को ध्यान में रखकर करें अनुसंधान : प्रो. सिंह

हिसार (सच कहूँ न्यूज)। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने शनिवार को विश्वविद्यालय के कपास व दलहन अनुभागों का दौरा कर फसल की मौजूदा स्थिति और अनुसंधान कार्यों का जायजा लिया। गौरतलब है कि वर्तमान में प्रदेश के कई इलाकों में किसानों की नरमा कपास की फसल को नुकसान हुआ है। किसानों की इसी समस्या को ध्यान में रखते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति ने विश्वविद्यालय के कपास अनुभाग में बोई गई कपास की विभिन्न किस्मों की फसल का जायजा लिया और वैज्ञानिकों से विचार-विमर्श किया। उन्होंने कपास अनुभाग के वैज्ञानिकों से बातचीत करते हुए कहा कि किसान व कृषि वैज्ञानिक एक सिक्के के दो पहलू हैं। हमारे विश्वविद्यालय का मुख्य उद्देश्य किसानों के लिए फसलों की नई-नई किस्में विकसित करना और आधुनिक तकनीकें प्रदान करना है ताकि किसान की पैदावार में निरंतर बढ़ोत्तरी हो। उन्होंने वैज्ञानिकों द्वारा इस क्षेत्र में किए जा रहे शोध कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि वे किसानों की मौजूदा समस्याओं को ध्यान में रखकर शोध कार्य करें।

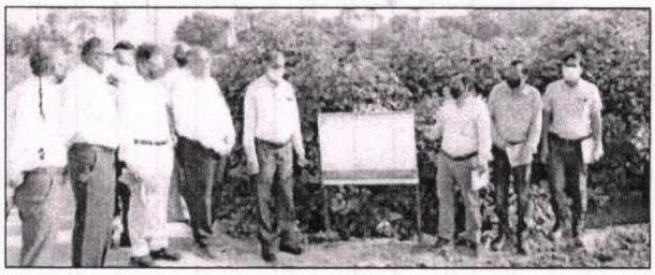

सफेद मक्खी के प्रकोप के बावजूद आर्थिक नुकसान नहीं

वैज्ञानिकों ने बताया कि विश्वविद्यालय के कपास अनुभाग में बोई गई नरमा की फसल पर सफेद मक्खी व अन्य बीमारियों का प्रकोप होने के बावजूद फसल में आर्थिक नुकसान नहीं है। यह सब कपास में उचित समय पर बिजाई व समन्वित कृषि प्रबंधन का ही नतीजा है। विश्वविद्यालय के अनुसंधान फार्म में बोई गई नरमा की फसल में सिफारिश किए गए कीटनाशकों का ही प्रयोग किया गया है। कुलपति ने कपास अनुभाग में सूक्ष्म सिंचाई तकनीक द्वारा बोई गई कपास की किस्मों का भी जायजा लिया और कहा कि इस तकनीक को इस प्रकार से विकसित करें ताकि पानी, खाद व अन्य पोषक तत्व भी पौधे को जरूरत के अनुसार मिल सकें। इससे पानी की बचत व पोषक तत्वों का पौधे द्वारा उचित उपयोग हो सकेगा।

किसान भी सिफारिश किए गए रसायनों का ही प्रयोग करें

कुलपति ने कहा कि किसान अपनी फसलों पर विश्वविद्यालय के कृषि वैज्ञानिकों द्वारा सिफारिश किए गए कीटनाशकों का ही प्रयोग करें। किसी के बहकावे में आकर या एक-दूसरे की होड़ करते हुए फसल पर कीटनाशकों का छिड़काव न करें। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह के दौरे के अवसर पर आनुवांशिकी एवं पौध प्रजनन विभाग के अध्यक्ष डॉ. ए.के. छाबड़ा सहित संबंधित अनुभागों के वैज्ञानिक मौजूद थे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....हिसार टुडे.....

दिनांक 1.4.9.2020...पृष्ठ संख्या.....—.....कॉलम.....—.....

किसानों की समस्या को ध्यान में रख कर करें अनुसंधान : प्रो. समर सिंह

एचएयू कुलपति ने विश्वविद्यालय के अनुसंधान क्षेत्र का किया दौरा

टुडे न्यूज | हिसार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने शनिवार को विश्वविद्यालय के कपास व दलहन अनुभागों का दौरा कर फसल की मौजूदा स्थिति और अनुसंधान कार्यों का जायजा लिया। गौरतलब है कि वर्तमान में प्रदेश के कई इलाकों में किसानों की नरमा कपास की फसल को नुकसान हुआ है।

किसानों की इसी समस्या को ध्यान में रखते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति ने विश्वविद्यालय के कपास अनुभाग में बोई गई कपास की विभिन्न किस्मों की फसल का जायजा लिया और वैज्ञानिकों से विचार-विमर्श किया। उन्होंने कपास अनुभाग के वैज्ञानिकों से बातचीत करते हुए कहा कि किसान व कृषि वैज्ञानिक एक सिक्के के दो पहलू हैं। हमारे विश्वविद्यालय का मुख्य उद्देश्य किसानों के लिए फसलों की नई-नई किस्में विकसित करना और आधुनिक तकनीकें प्रदान करना है ताकि किसान की पैदावार में निरंतर बढ़ोतरी हो। उन्होंने वैज्ञानिकों द्वारा इस क्षेत्र में किए जा रहे शोध कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि वे किसानों की मौजूदा समस्याओं को ध्यान में रखकर शोध कार्य करें। वैज्ञानिकों ने बताया कि विश्वविद्यालय के कपास अनुभाग में बोई गई नरमा की फसल पर सफेद मक्खी व अन्य बीमारियों का प्रकोप होने के बावजूद फसल में आर्थिक नुकसान नहीं है। यह सब कपास में उचित समय पर बिजाई व समन्वित कृषि प्रबंधन का ही नतीजा है। विश्वविद्यालय के अनुसंधान फार्म में बोई गई नरमा की फसल में सिफारिश किए गए कीटनाशकों का ही प्रयोग किया गया है। कुलपति ने कपास अनुभाग में सूक्ष्म सिंचाई तकनीक द्वारा बोई गई कपास की किस्मों का भी जायजा लिया और कहा कि इस तकनीक को इस प्रकार से विकसित करें ताकि पानी, खाद व अन्य पोषक तत्व भी पौधे को जरूरत के अनुसार मिल सकें। इससे पानी की बचत व पोषक तत्वों का पौधे द्वारा उचित उपयोग हो सकेगा। अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के. सहरावत ने बताया कि कपास की फसल में जड़ गलन बीमारी का प्रकोप बढ़ रहा है और इसके समाधान के लिए विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक हरसंभव प्रयासरत हैं और उनकी शोध जारी है। जल्द ही सकारात्मक परिणाम आने वाले हैं। इस दौरान दलहन अनुभाग के अनुसंधान क्षेत्र का दौरा कर मूंग, उड़द व अन्य दलहनी फसलों को लेकर चल रहे शोध कार्यों का जायजा लिया।

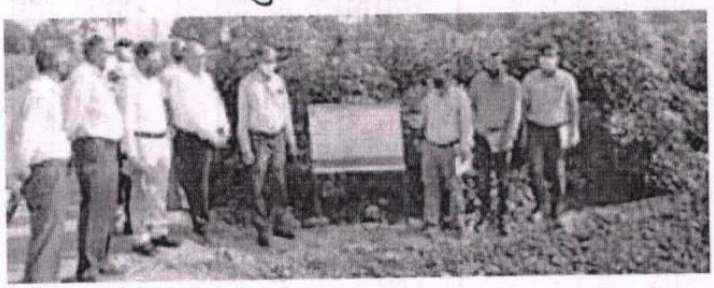

विश्वविद्यालय के नरमा कपास के खेतों के दौरे के दौरान कृषि वैज्ञानिकों से बातचीत करते विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह व उपस्थित विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के. सहरावत व अन्य।

कृषि वैज्ञानिकों द्वारा सुझाए गए कीटनाशकों का ही प्रयोग हो

कुलपति ने कहा कि किसान अपनी फसलों पर विश्वविद्यालय के कृषि वैज्ञानिकों द्वारा सिफारिश किए गए कीटनाशकों का ही प्रयोग करें। किसी के बहकावे में आकर या एक-दूसरे की होड़ करते हुए फसल पर कीटनाशकों का छिड़काव न करें। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह के दौरे के अवसर पर आनुवांशिकी एवं पौध प्रजनन विभाग के अध्यक्ष डॉ. ए.के. छाबड़ा सहित संबंधित अनुभागों के वैज्ञानिक मौजूद थे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....पाठक पक्ष.....

दिनांक 13.9.2020 पृष्ठ संख्या....—.... कॉलम....—....

एचएयू के अधूरे प्रोजेक्ट्स पकड़ेंगे रफ्तार, सरकार से मिला सौ करोड़ रूपए का अनुदान

प्राथमिकता से पूरे करें सेवानिवृत्त कर्मचारियों के काम - प्रो. समर सिंह

पाठकपक्ष न्यूज

हिसार, 13 सितम्बर : चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय के अभी तक पैसे के अभाव में अधूरे पड़े प्रोजेक्ट और अन्य अनुसंधान, विस्तार शिक्षा व शैक्षणिक गतिविधियां नहीं रूकेंगी। इसके अलावा सेवानिवृत्त कर्मचारियों की ग्रेच्यूटी, लीव इनकैशमेंट, सीपीपी आदि की पेमेंट भी कर जल्द कर दी जाएगी। इसके लिए हरियाणा सरकार के वित्त विभाग की ओर से विश्वविद्यालय को लगभग सौ करोड़ रूपये (98.27 करोड़ रूपये) की अनुदान राशि जारी कर दी गई है। यह राशि विश्वविद्यालय को दूसरी तिमाही के लिए दी गई है। यह जानकारी देते हुए विश्वविद्यालय के वित्त नियंत्रक नवीन जैन ने बताया कि विश्वविद्यालय को सरकार की ओर से प्रतिवर्ष चार तिमाही में अनुदान राशि जारी की जाती है। इस बार दूसरी तिमाही की अनुदान राशि जो जून माह में जारी की जानी थी, वह कोरोना महामारी व कुछ अन्य प्रशासनिक कारणों से जारी नहीं हो सकी थी। इसकी वजह से विश्वविद्यालय के कई प्रोजेक्ट अधर में लटके हुए थे और निर्माण, अनुसंधान, विस्तार शिक्षा व शैक्षणिक गतिविधियों पर भी पैसे के अभाव में विपरीत असर पड़ रहा था। उन्होंने बताया कि अब हरियाणा सरकार के वित्त विभाग की ओर से यह अनुदान राशि सितम्बर माह में जारी कर दी गई है। वित्त नियंत्रक ने बताया कि विश्वविद्यालय की रूकी हुई ग्रांट जारी करवाने व कर्मचारियों के सीपीएफ से पेंशन केस के लिए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने उन्हें विशेष दायित्व सौंपा हुआ था। उन्होंने बताया कि इसको लेकर चंडीगढ़ में वित्त विभाग के उच्च अधिकारियों से विचार-विमर्श के बाद ग्रांट तो जारी करवा दी गई है और विश्वविद्यालय के कर्मचारियों का सीपीएफ से पेंशन का केस जोकि लंबे समय से वित्त विभाग के पास क्लेरिफीकेशन के लिए अधूरा पड़ा हुआ था, वह भी जल्द ही पूरा होने की उम्मीद है। इस केस के बारे में वित्त विभाग के उच्च अधिकारियों से जल्द पूरा होने का आश्वासन मिला है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने वित्त नियंत्रक के प्रयासों की सराहना करते हुए वित्त विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव का भी धन्यवाद किया है।

सेवानिवृत्त कर्मचारियों को नहीं हो कोई परेशानी-कुलपति

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने अधिकारियों व कर्मचारियों को दिशा-निर्देश दिए हैं कि विश्वविद्यालय के सेवानिवृत्त कर्मचारियों के सभी कामों को प्राथमिकता के आधार पर निपटाया जाए। इसके लिए उन्हें दर-दर नहीं भटकना चाहिए। उन्होंने कहा कि सेवानिवृत्त कर्मचारियों ने विश्वविद्यालय को उन्नति के शिखर पर ले जाने में अपना अहम् योगदान दिया है। इसलिए उनके पेंशन, ग्रेच्यूटी, लीव इनकेशमेंट व मेडिकल संबंधी किसी भी प्रकार के कार्यों में देरी नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि अब विश्वविद्यालय को सरकार की ओर से दूसरी तिमाही के लिए लगभग सौ करोड़ रूपए की अनुदान राशि मिल चुकी है। इसलिए सेवानिवृत्त कर्मचारियों की पेंडिंग पड़ी सभी पेमेंट को जल्द से जल्द कर दिया जाना चाहिए।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....हैलो हिसार.....

दिनांक 14.9.2020 पृष्ठ संख्या.....1.....कॉलम.....1.....

एचएयू के अधूरे प्रोजेक्ट्स पकडेंगे रफ्तार, सरकार से मिला सौ करोड़ रूपये का अनुदान

हैलो हिसार न्यूज

हिसार : चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय के अभी तक पैसे के अभाव में अधूरे पड़े प्रोजेक्ट और अन्य अनुसंधान, विस्तार शिक्षा व शैक्षणिक गतिविधियां नहीं रूकेंगी। इसके अलावा सेवानिवृत्त कर्मचारियों की ग्रेच्यूटी, लीव इनकैशमेंट, सीवीपी आदि की पेमेंट भी कर जल्द कर दी जाएगी। इसके लिए हरियाणा सरकार के वित्त विभाग की ओर से विश्वविद्यालय को लगभग सौ करोड़ रूपये (98.27 करोड़ रूपये) की अनुदान राशि जारी कर दी गई है। यह राशि विश्वविद्यालय को दूसरी तिमाही के लिए दी गई है। यह जानकारी देते हुए विश्वविद्यालय के वित्त नियंत्रक नवीन जैन ने बताया कि विश्वविद्यालय को सरकार की ओर से प्रतिवर्ष चार तिमाही में अनुदान राशि जारी की जाती है। इस बार दूसरी तिमाही की अनुदान राशि जो जून माह में जारी की जानी थी,

प्राथमिकता से पूरे करें सेवानिवृत्त कर्मचारियों के काम : प्रो. समर सिंह

वह कोरोना महामारी व कुछ अन्य प्रशासनिक कारणों से जारी नहीं हो सकी थी। इसकी वजह से विश्वविद्यालय के कई प्रोजेक्ट अधर में लटके हुए थे और निर्माण, अनुसंधान, विस्तार शिक्षा व शैक्षणिक गतिविधियों पर भी पैसे के अभाव में विपरीत असर पड़ रहा था। उन्होंने बताया कि अब हरियाणा सरकार के वित्त विभाग की ओर से यह अनुदान राशि सितम्बर माह में जारी कर दी गई है। वित्त नियंत्रक ने बताया कि विश्वविद्यालय की रूकी हुई ग्रांट जारी करवाने व कर्मचारियों के सीपीएफ से पेंशन केस के लिए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने उन्हें विशेष दायित्व सौंपा हुआ था। उन्होंने बताया कि इसको लेकर चंडीगढ़ में वित्त विभाग के उच्च अधिकारियों से विचार-विमर्श के बाद ग्रांट तो जारी करवा दी गई है और विश्वविद्यालय के कर्मचारियों का सीपीएफ से पेंशन का केस जोकि पिछले लंबे समय से वित्त विभाग के पास क्लेरिफीकेशन के लिए अधूरा पड़ा हुआ था, वह भी जल्द ही पूरा होने की उम्मीद है।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने अधिकारियों व कर्मचारियों को दिशा-निर्देश दिए हैं कि विश्वविद्यालय के सेवानिवृत्त कर्मचारियों के सभी कामों को प्राथमिकता के आधार पर निपटाया जाए। इसके लिए उन्हें दर-दर नहीं भटकना चाहिए। उन्होंने कहा कि सेवानिवृत्त कर्मचारियों ने विश्वविद्यालय को उन्नति के शिखर पर ले जाने में अपना अहम् योगदान दिया है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम...... हिसार टुडे ......

दिनांक 15.9.2020 ....पृष्ठ संख्या....................कॉलम..................

एचएयू के अधूरे प्रोजेक्ट्स पकड़ेंगे रफ्तार, सरकार से मिला सौ करोड़ रूपये का अनुदान

प्राथमिकता से पूरे करें सेवानिवृत्त कर्मचारियों के काम : प्रोफेसर समर सिंह

टुडे न्यूज़ | हिसार

चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय के अभी तक पैसे के अभाव में अधूरे पड़े प्रोजेक्ट और अन्य अनुसंधान, विस्तार शिक्षा व शैक्षणिक गतिविधियां नहीं रूकेंगी। इसके अलावा सेवानिवृत्त कर्मचारियों की गेरच्यूटी, लीव इनकैशमेंट, सीवीपी आदि की पेमेंट भी कर जल्द कर दी जाएगी।

इसके लिए हरियाणा सरकार के वित्त विभाग की ओर से विश्वविद्यालय को लगभग सौ करोड़ रूपये (98.27 करोड़ रूपये) की अनुदान राशि जारी कर दी गई है। यह राशि विश्वविद्यालय को दूसरी तिमाही के लिए दी गई है। यह जानकारी देते हुए विश्वविद्यालय के वित्त नियंत्रक नवीन जैन ने बताया कि विश्वविद्यालय को सरकार की ओर से प्रतिवर्ष चार तिमाही में अनुदान राशि जारी की जाती है। इस बार दूसरी तिमाही की अनुदान राशि जो जून माह में जारी की जानी थी, वह कोरोना महामारी व कुछ अन्य प्रशासनिक कारणों से जारी नहीं हो सकी थी। इसकी वजह से विश्वविद्यालय के कई प्रोजेक्ट अधर में लटके हुए थे और निर्माण, अनुसंधान, विस्तार शिक्षा व शैक्षणिक गतिविधियों पर भी पैसे के अभाव में विपरीत असर पड़ रहा था। उन्होंने बताया कि अब हरियाणा सरकार के वित्त विभाग की ओर से यह अनुदान राशि सितम्बर माह में जारी कर दी गई है। वित्त नियंत्रक ने बताया कि विश्वविद्यालय की रूकी हुई ग्रांट जारी करवाने व कर्मचारियों के सीपीएफ से पेंशन केस के लिए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने उन्हें विशेष दायित्व सौंपा हुआ था। उन्होंने बताया कि इसको लेकर चंडीगढ़ में वित्त विभाग के उच्च अधिकारियों से विचार-विमर्श के बाद ग्रांट तो जारी करवा दी गई है और विश्वविद्यालय के कर्मचारियों का सीपीएफ से पेंशन का केस जोकि लंबे समय से वित्त विभाग के पास क्लेरिफीकेशन के लिए अधूरा पड़ा हुआ था, वह भी जल्द ही पूरा होने की उम्मीद है। इस केस के बारे में वित्त विभाग के उच्च अधिकारियों से जल्द पूरा होने का आश्वासन मिला है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने वित्त नियंत्रक के प्रयासों की सराहना करते हुए वित्त विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव का भी धन्यवाद किया है।

सेवानिवृत्त कर्मचारियों को जल्द मिलेगा उनका पैसा : कुलपति

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने अधिकारियों व कर्मचारियों को दिशा-निर्देश दिए हैं कि विश्वविद्यालय के सेवानिवृत्त कर्मचारियों के सभी कामों को प्राथमिकता के आधार पर निपटाया जाए। इसके लिए उन्हें दर-दर नहीं भटकना चाहिए। उन्होंने कहा कि सेवानिवृत्त कर्मचारियों ने विश्वविद्यालय को उन्नति के शिखर पर ले जाने में अपना अहम् योगदान दिया है। इसलिए उनके पेंशन, ग्रेच्यूटी, लीव इनकेशमेंट व मेडिकल संबंधी किसी भी प्रकार के कार्यों में देरी नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि अब विश्वविद्यालय को सरकार की ओर से दूसरी तिमाही के लिए लगभग सौ करोड़ रूपये की अनुदान राशि मिल चुकी है। इसलिए सेवानिवृत्त कर्मचारियों की पेंडिंग पड़ी सभी पेमेंट को जल्द से जल्द कर दिया जाना चाहिए।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....पल पल.....

दिनांक 13.9.2020.....पृष्ठ संख्या.....—.....कॉलम.....—.....

एचएयू के अधूरे प्रोजेक्ट्स पकड़ेंगे रफ्तार, मिला सौ करोड़ रूपये का अनुदान

पल पल न्यूज: हिसार, 13 सितम्बर। चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय के अभी तक पैसे के अभाव में अधूरे पड़े प्रोजेक्ट और अन्य अनुसंधान, विस्तार शिक्षा व शैक्षणिक गतिविधियां नहीं रूकेंगी। इसके अलावा सेवानिवृत्त कर्मचारियों की ग्रेच्यूटी, लीव इनकैशमेंट, सीवीपी आदि की पेमेंट भी कर जल्द कर दी जाएगी। इसके लिए हरियाणा सरकार के वित्त विभाग की ओर से विश्वविद्यालय को लगभग सौ करोड़ रूपये (98.27 करोड़ रूपये) की अनुदान राशि जारी कर दी गई है। यह राशि विश्वविद्यालय को दूसरी तिमाही के लिए दी गई है। यह जानकारी देते हुए विश्वविद्यालय के वित्त नियंत्रक नवीन जैन ने बताया कि विश्वविद्यालय को सरकार की ओर से प्रतिवर्ष चार तिमाही में अनुदान राशि जारी की जाती है। इस बार दूसरी तिमाही की अनुदान राशि जो जून माह में जारी की जानी थी, वह कोरोना महामारी व कुछ अन्य प्रशासनिक कारणों से जारी नहीं हो सकी थी। इसकी वजह से विश्वविद्यालय के कई प्रोजेक्ट अधर में लटके हुए थे और निर्माण, अनुसंधान, विस्तार शिक्षा व शैक्षणिक गतिविधियों पर भी पैसे के अभाव में विपरीत असर पड़ रहा था। उन्होंने बताया कि अब हरियाणा सरकार के वित्त विभाग की ओर से यह अनुदान राशि सितम्बर माह में जारी कर दी गई है। वित्त नियंत्रक ने बताया कि विश्वविद्यालय की रूकी हुई ग्रांट जारी करवाने व कर्मचारियों के सीपीएफ से पेंशन केस के लिए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने उन्हें विशेष दायित्व सौंपा हुआ था। उन्होंने बताया कि इसको लेकर चंडीगढ़ में वित्त विभाग के उच्च अधिकारियों से विचार-विमर्श के बाद ग्रांट तो जारी करवा दी गई है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने अधिकारियों व कर्मचारियों को दिशा-निर्देश दिए हैं कि विश्वविद्यालय के सेवानिवृत्त कर्मचारियों के सभी कामों को प्राथमिकता के आधार पर निपटाया जाए। इसके लिए उन्हें दर-दर नहीं भटकना चाहिए। उन्होंने कहा कि सेवानिवृत्त कर्मचारियों ने विश्वविद्यालय को उन्नति के शिखर पर ले जाने में अपना अहम् योगदान दिया है। इसलिए उनके पेंशन, ग्रेच्यूटी, लीव इनकेशमेंट व मेडिकल संबंधी किसी भी प्रकार के कार्यों में देरी नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि अब विश्वविद्यालय को सरकार की ओर से दूसरी तिमाही के लिए लगभग सौ करोड़ रूपये की अनुदान राशि मिल चुकी है। इसलिए सेवानिवृत्त कर्मचारियों की पेंडिंग पड़ी सभी पेमेंट को जल्द से जल्द कर दिया जाना चाहिए।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय
समाचार पत्र का नाम......पाँच बजे......
दिनांक 13-9-2020 पृष्ठ संख्या.....-.....कॉलम.....-.....

एचएयू के अधूरे प्रोजेक्ट्स पकडेंगे रफ्तार, सरकार से मिला सौ करोड़ रूपये का अनुदान

पांच बजे न्यूज

हिसार। चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय के अभी तक पैसे के अभाव में अधूरे पड़े प्रोजेक्ट और अन्य अनुसंधान, विस्तार शिक्षा व शैक्षणिक गतिविधियां नहीं रूकेंगी। इसके अलावा सेवानिवृत्त कर्मचारियों की ग्रेच्यूटी, लीव इनकैशमेंट, सीवीपी आदि की पेमेंट भी कर जल्द कर दी जाएगी। इसके लिए हरियाणा सरकार के वित्त विभाग की ओर से विश्वविद्यालय को लगभग सौ करोड़ रूपये (98.27 करोड़ रूपये) की अनुदान राशि जारी कर दी गई है। यह राशि विश्वविद्यालय को दूसरी तिमाही के लिए दी गई है।

यह जानकारी देते हुए विश्वविद्यालय के वित्त नियंत्रक नवीन जैन ने बताया कि विश्वविद्यालय को सरकार की ओर से प्रतिवर्ष चार तिमाही में अनुदान राशि जारी की जाती है। इस बार दूसरी तिमाही की अनुदान राशि जो जून माह में जारी की जानी थी, वह कोरोना महामारी व कुछ अन्य प्रशासनिक कारणों से जारी नहीं हो सकी थी। इसकी वजह से विश्वविद्यालय के कई प्रोजेक्ट अधर में लटके हुए थे और निर्माण, अनुसंधान, विस्तार शिक्षा व शैक्षणिक गतिविधियों पर भी पैसे के अभाव में विपरीत असर पड़ रहा था।

उन्होंने बताया कि अब हरियाणा सरकार के

वित्त विभाग की ओर से यह अनुदान राशि सितम्बर माह में जारी कर दी गई है। वित्त नियंत्रक ने बताया कि विश्वविद्यालय की रूकी हुई ग्रांट जारी करवाने व कर्मचारियों के सीपीएफ से पेंशन केस के लिए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने उन्हें विशेष दायित्व सौंपा हुआ था। उन्होंने बताया कि इसको लेकर चंडीगढ़ में वित्त विभाग के उच्च अधिकारियों से विचार-विमर्श के बाद ग्रांट तो जारी करवा दी गई है और विश्वविद्यालय के कर्मचारियों का सीपीएफ से पेंशन का केस जोकि लंबे समय से वित्त विभाग के पास क्लेरिफीकेशन के लिए अधूरा पड़ा हुआ था, वह भी जल्द ही पूरा होने की उम्मीद है। इस केस के बारे में वित्त विभाग के उच्च अधिकारियों से जल्द पूरा होने का आश्वासन मिला है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने वित्त नियंत्रक के प्रयासों की सराहना करते हुए वित्त विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव का भी धन्यवाद किया है।

सेवानिवृत्त कर्मचारियों को नहीं हो कोई परेशानी - कुलपति

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने अधिकारियों व कर्मचारियों को दिशा-निर्देश दिए हैं कि विश्वविद्यालय के सेवानिवृत्त कर्मचारियों के सभी कामों को प्राथमिकता के आधार पर निपटाया जाए। इसके लिए उन्हें दर-दर नहीं भटकना चाहिए। उन्होंने कहा कि सेवानिवृत्त कर्मचारियों ने विश्वविद्यालय को उन्नति के शिखर पर ले जाने में अपना अहम् योगदान दिया है। इसलिए उनके पेंशन, ग्रेच्यूटी, लीव इनकेशमेंट व मेडिकल संबंधी किसी भी प्रकार के कार्यों में देरी नहीं होनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि अब विश्वविद्यालय को सरकार की ओर से दूसरी तिमाही के लिए लगभग सौ करोड़ रूपये की अनुदान राशि मिल चुकी है। इसलिए सेवानिवृत्त कर्मचारियों की पेंडिंग पड़ी सभी पेमेंट को जल्द से जल्द कर दिया जाना चाहिए।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम........नभ छोर........

दिनांक 13-9-2020 पृष्ठ संख्या........ कॉलम........

हकृवि को मिले 98 .27 करोड़, सेवानिवृत्त कर्मियों को अब मिलेगा उनका बकाया

हिसार. चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय के अभी तक पैसे के अभाव में अधूरे पड़े प्रोजेक्ट और अन्य अनुसंधान, विस्तार शिक्षा व शैक्षणिक गतिविधियां नहीं रूकेंगी। इसके अलावा सेवानिवृत्त कर्मचारियों की ग्रेच्यूटी, लीव इनकैशमेंट, सीवीपी आदि की पेमेंट भी जल्द कर दी जाएगी। इसके लिए हरियाणा सरकार के वित्त विभाग की ओर से विश्वविद्यालय को लगभग सौ करोड़ रूपये 98.27 करोड़ रूपये की अनुदान राशि जारी कर दी गई है। दूसरी तिमाही के लिए मिली इस राशि की जानकारी देते हुए विश्वविद्यालय के वित्त नियंत्रक नवीन जैन ने बताया कि विश्वविद्यालय को सरकार की ओर से प्रतिवर्ष चार तिमाही में अनुदान राशि जारी की जाती है। इस बार दूसरी तिमाही की अनुदान राशि जो जून माह में जारी की जानी थी, वह कोरोना महामारी व कुछ अन्य प्रशासनिक कारणों से जारी नहीं हो सकी थी। इसकी वजह से विश्वविद्यालय के कई प्रोजेक्ट अधर में लटके हुए थे और निर्माण, अनुसंधान, विस्तार शिक्षा व शैक्षणिक गतिविधियों पर भी पैसे के अभाव में विपरीत असर पड़ रहा था। उन्होंने बताया कि अब वित्त विभाग की ओर से यह अनुदान राशि सितम्बर माह में जारी कर दी गई है। कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने वित्त नियंत्रक के प्रयासों की सराहना करते हुए वित्त विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव का भी धन्यवाद किया है।